अष्टाह्निका महापर्व सानन्द संपन्न

1. सोनागिरि (म.प्र.) : यहाँ अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर श्री खरौआ दि. जैन मंदिर नं. 3 में अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन अमायन के तत्त्वावधान में श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पण्डित पूरनचन्द्रजी सोनागिर द्वारा सायंकाल सिद्धचक्र विधान की जयमाला पर एवं प्रात: पण्डित स्वतंत्रभूषणजी शास्त्री जयपुर द्वारा मोक्षमार्ग प्रकाशक पर प्रवचन हुये।

कार्यक्रम में लगभग 150 साधर्मियों ने धर्मलाभ लिया।

विधि-विधान के संपूर्ण कार्य पण्डित पूरनचंदजी, पण्डित स्वतंत्रभूषणजी एवं राजकुमारजी जैन ग्वालियर के सहयोग से संपन्न हुये। **– शुद्धात्मप्रकाश जैन**

2. मुम्बई : यहाँ मलाड (ईस्ट) में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर दिनांक 15 से 19 जुलाई तक डॉ. दीपकजी जैन वैद्य जयपुर द्वारा प्रात: व सायंकाल समयसार के निर्जरा अधिकार एवं दोपहर में तत्त्वार्थसूत्र के आधार पर पंचभाव पर प्रवचन हुये। **– विनोदभाई शाह**

इसी तरह सीमन्धर जिनालय जवेरी बाजार में पण्डित मनीषजी शास्त्री इन्दौर द्वारा प्रात: सैंतालीस शक्तियों पर एवं रात्रि में अष्टपाहुड पर प्रवचन हुए। दिनांक 21 जुलाई को पण्डित विक्रान्त शहा सोलापुर ने प्रोजेक्टर द्वारा तीनलोक का स्वरूप विस्तार से समझाया

इसी के साथ अन्य उपनगरों में से मलाड (वेस्ट) में पण्डित विपिनजी शास्त्री आगरा, बोरीवली में पण्डित सुबोधजी सिंघई सिवनी, भायन्दर में पण्डित गुलाबचंदजी बीना, दहीसर में पण्डित कमलचंदजी पिडावा एवं वसई में पण्डित सौरभजी शास्त्री शहपुरा व पण्डित अनिलजी दहीसर के प्रवचनों का लाभ मिला।

3. देवलाली-नासिक (महा.) : यहाँ अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर प्रवचनसार विधान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पण्डित विमलचंदजी झांझरी उज्जैन, पण्डित ज्ञानचन्दजी विदिशा एवं पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जैन जबलपुर द्वारा प्रवचनसार ग्रन्थ पर प्रवचन हुये।

4. इन्दौर (म.प्र.) : यहाँ रामाशा मन्दिर में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री देवलाली द्वारा प्रात: सिद्धचक्र विधान पर, दोपहर में समयसार की गाथा 17-18 पर एवं रात्रि में मोक्षमार्गप्रकाशक के आधार पर क्रिया-परिणाम-अभिप्राय विषय पर मार्मिक प्रवचनों का लाभ मिला। सारिका जैन द्वारा तत्त्वार्थसूत्र पर कक्षा भी ली गई।

5. कोटा : यहाँ मुमुक्षु आश्रम में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर प्रात: सामूहिक जिनेन्द्र पूजन के उपरान्त ब्र. हेमचन्दजी 'हेम' द्वारा प्रवचनसार पर, दोपहर में न्यायदीपिका पर एवं रात्रि में जिनेन्द्र भक्ति के उपरान्त परीक्षामुख सूत्र पर प्रवचन हुये।

6. जबलपुर (म.प्र.) : यहाँ अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर बड़ा फुहारा स्थित श्री महावीर स्वामी दिगम्बर जिनमंदिर में रत्नत्रय मंडल विधान संपन्न हुआ।

इस अवसर पर डॉ. उत्तमचंदजी सिवनी द्वारा प्रात: पंचास्तिकाय संग्रह के मंगलाचरण पर,

(शेष पृष्ठ 28 पर ...)

वीतराग-विज्ञान

वीतराग-विज्ञान ही, तीन लोक में सार।
वीतराग-विज्ञान का , घर-घर होय प्रसार।।

वर्ष : 32 (वीर नि. संवत् - 2539) 362 अंक : 2

सुणिल्यो जीव सुजान...

सुणिल्यो जीव सुजान, सीख सुगुरु हितकी कही।।टेक।।
रुल्यौ अनन्ती बार, गति गति साता ना लहीं।।सुणि.।।
कोइक पुन्य संजोग, श्रावक कुल नरगति लही।
मिले देव निरदोष, वाणी भी जिनकी कही।।1।।
चरचाको परसंग, अरु सरध्या मैं बैठिवो।
ऐसा अवसर फेरि, कोटि जनम नहिं भैंटिवो।।2।।
झूठी आशा छोड़ि, तत्त्वारथ रुचि धारिल्यो।
या मैं कछु न बिगार, आपो आप सुधारिल्यो।।3।।
तनको आतम मानि, भोग विषय कारज करौ।
यौ ही करत अकाज, भव भव क्यौं कूवे परो।।4।।
कोटि ग्रन्थकौ सार, जो भाई 'बुधजन' करौ।
राग दोष परिहार, याही भवसौं उद्धरौ।।5।।

– कविवर पण्डित बुधजनजी

छहढाला प्रवचन

25 दोषों से रहित सम्यग्दृष्टि

पिता भूप वा मातुल नृप जो, होय न तो मद ठानै।
मद न रूप को मद न ज्ञान को, धन-बल को मद भानै।।१३।।
तप को मद न मद जु प्रभुता को, करै न सो निज जानै।
मद धारै तो यही दोष वसु, समकित को मल ठानै।।
कुगुरु-कुदेव-कुवृष सेवक की नहीं प्रशंस उचरे है।
जिन-मुनि-जिनश्रुत बिन कुगुरादिक तिन्हें न नमन करे है।।१४।।

(सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक विद्वान पण्डित दौलतरामजीकृत छहढाला पर गुरुदेवश्री के प्रवचन पाठकों के लाभार्थ यहाँ प्रस्तुत किये जा रहे हैं।)

(गतांक से आगे....)

सम्यक्त्व के पच्चीस दोष हैं, ये दोष सम्यग्दृष्टि जीव को नहीं होते। उन दोषों का यह वर्णन है।

(१ से ८) शंकादि आठ दोष, पहले निःशंकता, निष्कांक्षा, निर्विचिकित्सा, अमूढ़दृष्टि, उपगूहन, स्थितिकरण, वात्सल्य और प्रभावना - ये आठ गुण कहे थे, उनसे विरुद्ध ये आठ दोष हैं - शंका, कांक्षा, विचिकित्सा, मूढ़ता, अनुपगूहन, अस्थितिकरण, अवात्सल्य और अप्रभावना - ये दोष सम्यग्दृष्टि को नहीं होते।

१. सम्यग्दृष्टि जीव जिनमार्ग में कभी सन्देह नहीं करता।

२. धर्म के फल में संसार-भोग की वांछा नहीं करता।

३. शरीरादि कैसा भी हो, किन्तु धर्मात्मा के गुणों के प्रति वह कभी घृणा नहीं करता।

४. सच्चे देव-गुरु-धर्म कैसे हैं ? सत्यमार्ग कैसा है और कुमार्ग कैसा है, उसका विवेक करने में उसे उलझन नहीं होती; अच्छी तरह पहचान कर वह सत्यमार्ग का आदर करता है, कुमार्गों को छोड़ता है।

५. अपने गुणों की बाह्य में प्रसिद्धि नहीं चाहता और अन्य धर्मात्मा का कोई दोष देखकर उसकी निन्दा नहीं करता, परन्तु दोष को ढँककर युक्ति से दूर करता है और धर्म की वृद्धि करता है।

६. आप या अन्य साधर्मी धर्ममार्ग से डिग जाये - ऐसा अस्थिर कभी नहीं

करता, किन्तु स्व-पर को धर्ममार्ग में दृढ़ करता है।

७. ऐसा नहीं करता कि जिससे धर्म का या धर्मात्मा का अपवाद हो, किन्तु वात्सल्यपूर्वक उनकी प्रशंसा व आदर करता है।

८. लोक में जैनधर्म की निंदा हो - ऐसा कभी नहीं करता, किन्तु धर्म की प्रभावना हो और उसकी महिमा प्रसिद्ध हो - ऐसा करता है।

इसप्रकार सम्यग्दृष्टि के जीव शंकादिक आठ दोष रहित और निःशंकितादि आठ गुण रहित सम्यक्त्व की आराधना करता है। तदुपरान्त आठ मद भी उसे नहीं होते।

(९ से १६) **आठमद -** कुलमद, जातिमद, रूपमद अर्थात् शरीरमद, विद्यामद अर्थात् ज्ञानमद, धनमद अर्थात् ऋद्धिमद, बलमद, तपमद और अविकारमद अर्थात् पूजामद - ऐसे आठ प्रकार के मदरूप आठ दोष सम्यग्दृष्टि को नहीं होते।

(१७ से २२) **छह अनायतन -** कुदेव, उसका सेवक, कुगुरु, उसका सेवक, कुधर्म और उसका सेवक - ये छहों धर्म के लिए अस्थान हैं, इसलिए वे अनायतन हैं, उनमें धर्म नहीं होता; धर्मी जीव उनका सेवन तो नहीं करता और उसकी प्रशंसा भी मन से, वचन से या काय से नहीं करता। इसप्रकार छह अनायतन की प्रशंसारूप छह दोष सम्यग्दृष्टि के नहीं होते।

(२३ से २५) **तीन मूढ़ता -** मूढ़ लोगों में देव के नाम पर, गुरु के नाम पर व शास्त्र के नाम पर अनेक विपरीत रूढ़ियाँ चलती हैं; परन्तु धर्मी जीव देव-गुरु-शास्त्र संबंधी कोई मूढ़ता का सेवन नहीं करता। वीतरागमार्ग के जिनेश्वरदेव, रत्नत्रयधारक निर्ग्रन्थ जिनमुनि और उनके द्वारा उपदिष्ट वीतरागतापोषक जिनशास्त्र, उनको ही सत्य मानता है, उनके ही आदर-सत्कार, नमस्कार-प्रशंसा करता है। उनके सिवाय अन्य कोई भी कुदेव-कुगुरु-कुशास्त्र को स्वप्न में भी नहीं मानता, न उन्हें नमस्कारादि भी करता है। इसप्रकार तीन मूढ़तारूप तीन दोष सम्यग्दृष्टि के नहीं होते।

शंकादिक आठ दोष, आठ मद, छह अनायतन तथा तीन मूढ़ता - ये पच्चीस दोषों को छोड़कर, निःशंकितादि आठ गुण सहित सम्यग्दर्शन को हे भव्यजीवों ! तुम भक्तिपूर्वक धारण करो। यह मोक्ष का मूल है।

सम्यग्दृष्टि को अपने अचिन्त्य चैतन्यवैभव के समक्ष जगत् में अन्य किसी की महानता प्रतीत नहीं होती, इसलिए उसे कोई मद नहीं होता। इसप्रकार उसे आठ मद का अभाव होता है, उनका वर्णन यहाँ करते हैं।

(१-२) कुलमद तथा जातिमद - पिता के पक्ष को कुल तथा माता के पक्ष को जाति कहते हैं; लेकिन माता-पिता तो इस जड़शरीर के संबंधी हैं, उनकी महत्ता

में अभिमान क्या ? मैं तो शरीर से भिन्न चैतन्यमूर्ति हूँ; माता-पिता के कारण मेरा बड़प्पन नहीं है। माता किसी बड़े परिवार की हो या पिता कोई बड़े राजा-महाराजा हों, उनके कारण धर्मी अपना बड़प्पन नहीं मानता अर्थात् उसे जातिमद या कुलमद नहीं होता। अरे, हमारी जाति तो चैतन्यजाति है, देह की जाति हमारी है ही नहीं, फिर उसका मद कैसा ? मैं ज्ञानस्वरूप हूँ, मेरे ज्ञानस्वरूप आत्मा को किसी ने उत्पन्न नहीं किया है, फिर मेरी जाति-कुल कैसा ? चैतन्य मेरी जाति और ज्ञान-दर्शनस्वभाव ही मेरा कुल है।

इसप्रकार धर्मी को पिता या पुत्रादि कोई महान हों तो उनका बहुमान उसे नहीं होता; उसीप्रकार पिता आदि दरिद्र हों तो उनसे दीनता नहीं होती। वह तो इन समस्त संयोगों से अत्यन्त भिन्न चैतन्यस्वरूप ही अपने को देखता है। अरे, मेरे चैतन्य की अधिकता से दूसरा कौन अधिक है कि जिसका मैं गर्व करूँ ? मेरे चैतन्य-प्रकाश के सन्मुख चक्रवर्तीपद भी निस्तेज प्रतीत होता है, उसमें मेरा बड़प्पन नहीं है। चक्रवर्तीपद तो राग का फल है। कहाँ अनन्त गुणमय चैतन्यपद और कहाँ विकार का फल ! जिसने परमेश्वर की जातिरूप अपने को देखा है, उसे अब कौन-सी कमी रह जाती है कि बाह्य में शरीर की जाति आदि में अपनापन माने ? चैतन्य की जाति के समक्ष जड़ शरीर की जाति का अभिमान कैसा ? शरीर मैं हूँ ही नहीं, मैं तो चैतन्य हूँ - ऐसी सम्यक् प्रतीति में धर्मी को शरीरादि संबंधी मद नहीं होता। मिथ्यात्वरूप दोष तो धर्मी को होते ही नहीं और सम्यक्त्व के अतिचार रूप दोषों को वह दूर करता है, उसका यह उपदेश है।

निश्चय सम्यग्दर्शन के साथ ऐसा शुद्ध व्यवहार होता है कि उसमें किंचित् भी अतिचार लगे तो वह दोष है - ऐसा समझकर उसका त्याग करना चाहिए। धर्म के स्थान तो वीतरागी अरहन्तदेव, निर्ग्रन्थ मुनिराज तथा वीतरागी शास्त्र हैं, उनमें धर्मी जीव शंका करते ही नहीं तथा उनसे कोई विपरीत हो तो उन्हें किसी भी प्रकार ग्रहण नहीं करते। प्राण जायें या कितनी भी प्रतिकूलता आये तो भी वीतरागी देव-गुरु की श्रद्धा नहीं छोड़ते। इसलिये उनके सम्यक्त्व में शंकादि दोष नहीं होते। **(क्रमशः)**

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वाशिंगटन में प्रवचन

दसलक्षण पर्व के अवसर पर विदुषी स्वानुभूति जैन, मुम्बई द्वारा प्रतिदिन मुम्बई से ही वाशिंगटन डी.सी. स्थित मुमुक्षुओं के लिये प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिग से प्रोजेक्टर के माध्यम से लाईव इन्टरेक्टिव प्रवचन किये जायेंगे।

विशेष जानकारी के लिये सम्पर्क करें -pavanzaveri@yahoo.com

नियमसार प्रवचन –

जीव का स्वरूप कैसा है ?

परमपूज्य सर्वश्रेष्ठ दिगम्बराचार्य कुन्दकुन्द के प्रसिद्ध परमागम नियमसार के शुद्धभावाधिकार की 48वीं गाथा पर हुये आध्यात्मिकसत्पुरुष श्री कानजीस्वामी के अध्यात्मरस गर्भित प्रवचनों का संक्षिप्त सार यहाँ दिया जा रहा है।

गाथा मूलत: इसप्रकार है –

असरीरा अविणासा अणिंदिया णिम्मला विसुद्धप्पा।
जह लोयग्गे सिद्धा तह जीवा संसिदी णेया।।४८।।

(हरिगीत)

शुद्ध अविनाशी अतीन्द्रिय अदेह निर्मल सिद्ध ज्यों।
लोकाग्र में जैसे विराजे जीव हैं भवलीन त्यों।।४८।।

जिसप्रकार लोकाग्र में सिद्ध-भगवन्त अशरीरी, अविनाशी, अतीन्द्रिय, निर्मल और विशुद्धात्मा (विशुद्धस्वरूपी) हैं, उसीप्रकार संसार में (सर्व) जीव जानना।

(गतांक से आगे ...)

एकसमय की पर्याय को गौण करके देखा जावे तो कार्यसमयसार तथा कारणसमयसार में भेद नहीं है। वह कार्यसमयसार तथा कारणसमयसार में अन्तर न होने का कथन है।

प्रकट पर्याय की अपेक्षा से सिद्ध और संसारी में महान अन्तर है – ऐसा शास्त्रों में बहुत कथन है; और यहाँ अन्तर है नहीं – ऐसा क्यों कहा?

भाई! वह सारा वर्णन पर्याय का है और यहाँ एकसमय की पर्याय को गौण करके देखने पर कोई अन्तर नहीं है – ऐसा कहा।

कार्यसमयसार – जिसने अपना कार्य अर्थात् परिपूर्ण शुद्धता प्रकट की है – ऐसे सिद्ध भगवान को कार्यसमयसार कहते हैं। सिद्ध, कार्यसमयसार, कार्यशुद्धजीव, कार्यभगवान इत्यादि एकार्थवाची हैं।

कारणसमयसार कारणशुद्धआत्मा। जिस शुद्धात्मा के आश्रय से मोक्षरूपी कार्य प्रकट होता है उसको कारणसमयसार कहते हैं। कारणसमयसार, कारणशुद्ध

आत्मा, कारणशुद्धजीव, कारणशुद्धभाव, कारणपरमात्मा, त्रिकालशुद्धस्वभाव, द्रव्यदृष्टि का विषय, ध्रुव, नित्य, एकरूप अभेदस्वभाव, कारण भगवान – यह सब एकार्थवाची हैं। इस शुद्धात्मा में लीनता करने से मोक्षरूपी कार्य प्रकट होता है इसलिये उसे कारण कहा है।

पर्याय को गौण करके देखने पर कारणसमयसार और कार्यसमयसार में कोई अन्तर नहीं है।

(१) द्रव्यार्थिकनय से सिद्धसमान संसारीजीव भी अशरीरी ही हैं।

सिद्धभगवान लोक के अग्र में विराजते हैं – यह कथन बाह्यक्षेत्र की अपेक्षा से है, वास्तव में तो वे अपने असंख्यप्रदेश में ही विराजते हैं। उन्हें परिपूर्णदशा प्रकट हो गई है और वे औदारिक, वैक्रियक, आहारक, तैजस और कार्माण – इन पाँचों शरीररहित हैं। संसारदशा में राग और शरीर का एकसमय जितना सम्बन्ध था, वह अब सिद्धभगवान के नहीं है, इसलिए वे अशरीरी हैं।

इसीप्रकार से समस्त संसारीजीवों को शुद्धनय से देखा जावे तो वे भी अशरीरी हैं। संसारदशा में संसारीजीवों को राग के साथ तथा जिसको जैसा शरीर है उसके साथ – एकसमय जितना ही सम्बन्ध है। दो समय की पर्यायें एकसाथ नहीं होतीं, इसलिए एकसमय का ही सम्बन्ध कहा है। उस एकसमय की पर्याय को गौण करके देखा जावे तो संसारी भी अशरीरी ही हैं। शरीर के सम्बन्ध को मुख्य करने पर चैतन्य गौण हो जाता है और वही संसार है – तथा शरीर के सम्बन्ध को गौण करते नहीं, अतः धर्म नहीं होता। चैतन्य को मुख्य करके शरीर-सम्बन्ध को गौण करना ही धर्म है। कर्म के साथ एकसमयमात्र का सम्बन्ध है, उसे गौण करने पर आत्मा को कार्मण शरीर का भी सम्बन्ध नहीं है।

प्रश्न : कर्म के उदय आने पर विकार होता है और उसका अभाव होने पर विकार टलता है न?

समाधान : नहीं, संसारदशा में भी ऐसा सम्बन्ध है ही नहीं। जीव विकार करके एकसमयमात्र का पर्याय में भावबन्ध करता है, तब कर्म को निमित्त कहा जाता है। अभव्य जीव को भी कर्म के कारण से विकार नहीं होता, किन्तु अपने ही

अपराध से होता है। अभव्य जीव अनादि से संसार में है और अनन्तकाल तक रहेगा, उसके भूतकाल के संसार की अपेक्षा भविष्य के संसार का काल अनन्तगुणा है। द्रव्यस्वभाव से देखो तो उसका आत्मा भी अशरीरी ही है। एकसमय के शरीर-सम्बन्ध को गौण करके, व्यवहार कहकर, अभूतार्थ कहा है - वहाँ भूतार्थ ऐसे शुद्धस्वभाव की दृष्टि करानी है। जो जीव स्वभाव की रुचि करे उसे संसार का अभाव होता है और पर्याय में भी अशरीरीदशा प्राप्त होती है।

(२) जैसे सिद्धों को नर-नारकादि पर्यायें नहीं हैं, इसलिए वे अविनाशी हैं; वैसे ही शुद्धद्रव्यार्थिकनय से संसारीजीवों को भी भव-पर्याय का ग्रहण-त्याग नहीं है, इसलिए अविनाशी हैं।

निश्चय से नर-नारकादि पर्यायों के ग्रहण -त्याग के अभाव के कारण अविनाशी हैं। सिद्धभगवन्तों ने अशरीरीदशा-मोक्षदशा प्राप्त कर ली है, इसलिए नर-नारकादि भवरूप पर्यायों को त्याग-ग्रहण उनके होता नहीं; जबकि संसार में एक भव के बाद दूसरा भव - इसप्रकार विनाशरूप अवस्था पर्याय में होती है। सिद्धों में ऐसा विनाशपना पर्याय में होता नहीं, शरीर का आवागमन होता नहीं, इसलिये अविनाशी हैं। उसीप्रकार शुद्धद्रव्यार्थिकनय से देखा जावे तो संसारीजीव भी अविनाशी हैं - ऐसा बताना है।

संसारदशा में भिन्न-भिन्न शरीरों का सम्बन्ध होता है, एक शरीर छोड़कर दूसरे शरीर का धारण होता है। कोई जीव अधिक स्थितिवाला एक ही शरीर धारण करे, तथापि उस शरीर के त्याग-ग्रहण का सम्बन्ध एक ही समय का है। कोई कहे कि एकसमय जितना भी सम्बन्ध नहीं है और पर्याय में भी संसारीजीव अविनाशी है, तो यह बात खोटी है। एक शरीर का जाना और दूसरे शरीर का ग्रहण करना संसारदशा में होता ही है, अतः वह संबंध विनाशीक है। वह सम्बन्ध है अवश्य, फिर भी त्रिकालीस्वभाव की दृष्टि से देखा जावे तो वह सम्बन्ध नहीं है। सिद्धपर्याय में भी अविनाशीपना रहता है अर्थात् सिद्धपद सादि अनन्त-काल रहता है। संसारी के एकसमय की पर्याय के शरीर-सम्बन्ध को गौण करके व्यवहार अभूतार्थ मानकर त्रिकालीस्वभाव अविनाशी है - ऐसी दृष्टि कराना धर्म का कारण है। **(क्रमशः)**

ज्ञान गोष्ठी

सायंकालीन तत्त्वचर्चा के समय विभिन्न मुमुक्षुओं द्वारा
पूज्य स्वामीजी से पूछे गये प्रश्न और स्वामीजी द्वारा दिये गये उत्तर

प्रश्न : मोक्षमार्ग तो दो प्रकार का है न ?

उत्तर : मोक्षमार्ग दो प्रकार का है - एक व्यवहार और दूसरा निश्चय। निश्चय तो साक्षात् मोक्षमार्ग है, व्यवहार परम्परा है अथवा सविकल्प-निर्विकल्प के भेद से निश्चय मोक्षमार्ग भी दो प्रकार का है। मैं अनन्तज्ञान स्वरूप हूँ, शुद्ध हूँ, एक हूँ, अखण्ड हूँ, ध्रुव हूँ - ऐसा चिन्तवन सविकल्प निश्चय मोक्षमार्ग है और उसे साधक कहा है तथा सविकल्प चिन्तवन छूटकर निर्विकल्प आत्मानुभव होना निश्चय मोक्षमार्ग है और वह साध्य है।

'रहस्यपूर्ण चिट्ठी' में कहा है कि प्रथम 'मैं शुद्ध हूँ' आदि चिन्तवन से आत्मा में अहंपना धारण करता है, तत्पश्चात् वह विकल्प भी छूटकर निर्विकल्प होता है। इस रीति से सविकल्प चिन्तवन को - सविकल्प निश्चय मोक्षमार्ग को साधक कहा और निर्विकल्प ध्यान को निर्विकल्प निश्चय मोक्षमार्ग को साध्य कहा है।

जैसे देव-गुरु-शास्त्र की रागमिश्रित श्रद्धा को व्यवहार सम्यक्त्व कहा है। किन्तु वह सम्यक्त्व है नहीं - है तो वह राग, परन्तु सम्यक्त्व का आरोप करके उसे व्यवहार सम्यग्दर्शन कह दिया है। वैसे ही यहाँ निश्चय मोक्षमार्ग का आरोप करके सविकल्प चिन्तवन को सविकल्प मोक्षमार्ग कहा है। स्व के आश्रय का विकल्प है, इसलिए उसे साधक कहा है। यहाँ विकल्प है तो बन्ध का ही कारण, तथापि निश्चय का आरोप करके उसे साधक कहा है। 'मैं शुद्ध हूँ' आदि निश्चय के सविकल्प चिन्तवन को निश्चयनय का पक्ष कहा है न ! उसीप्रकार यहाँ भी आरोपित कथन किया गया है।

प्रश्न : क्या द्रव्यलिंग मोक्ष का कारण नहीं है ?

उत्तर : शास्त्रज्ञान द्रव्यलिंग है,- नवतत्त्व की भेदवाली श्रद्धा तथा छह जीवनिकाय का चारित्र भी द्रव्यलिंग है, शास्त्र का विकल्प और पंच महाव्रतादि का विकल्प भी द्रव्यलिंग है, तदुपरान्त शरीर का नग्नत्व भी द्रव्यलिंग है। इस द्रव्यलिंग में सन्त रुके नहीं और भावलिंगरूप दर्शन-ज्ञान-चारित्र का सेवन करके मोक्षमार्ग और मोक्ष को प्राप्त किया। यदि द्रव्यलिंग मोक्ष का कारण होता तो उसे छोड़कर सन्तजन अन्दर आत्मा के आश्रय में क्यों जाते ? जिस श्रद्धा-ज्ञान को चैतन्यप्रभु का आश्रय नहीं है - वह श्रद्धा-ज्ञान द्रव्यलिंग है, शरीर आश्रित है; परद्रव्य है, स्वद्रव्य नहीं।

समाचार दर्शन -

36वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर संपन्न

जयपुर (राज.) : यहाँ ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में 'श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट' मुम्बई द्वारा दिनांक 04 से 13 अगस्त 2013 तक 36वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर अनेक मांगलिक आयोजनों सहित सम्पन्न हुआ।

शिक्षण शिविर का उद्घाटन श्री रमेशचन्दजी कोदरलालजी दोशी मुम्बई एवं श्री सुभाषचन्दजी सुरेशचन्दजी वकीलचन्दजी नांगलोई के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर सभा की अध्यक्षता श्री ज्ञानचन्दजी कोटा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रेमचंदजी बजाज कोटा एवं डॉ. भारिल्ल के साथ-साथ सभी विद्वत्गण मंचासीन थे।

श्री कुन्दकुन्द कहान दि.जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट का परिचय ट्रस्ट के महामंत्री श्री बसंतभाई एम. दोशी मुम्बई एवं श्री महीपालजी ज्ञायक बांसवाड़ा ने दिया। मंचासीन समस्त अतिथियों का सम्मान श्री महीपालजी ज्ञायक बांसवाड़ा एवं शिविर के निर्देशक श्री अशोकजी जैन जबलपुर ने तिलक लगाकर एवं माल्यार्पणकर किया।

उद्घाटन सभा के पूर्व शिविर मण्डप का उद्घाटन श्री गुलाबचन्दजी जैन सुभाष ट्रांसपोर्ट सागर ने, मंच का उद्घाटन आदीश्वरजी अमितकुमारजी जैन परिवार सूरत ने, चित्र अनावरण श्री निहालचन्दजी जैन जयपुर ने एवं ध्वजारोहण श्री अनिलकुमारजी दोशी मुम्बई ने किया।

इस अवसर पर विद्वत् शिरोमणि डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल का शिविरों की उपयोगिता के संदर्भ में मार्मिक उद्बोधन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली ने किया।

शिक्षण शिविर में प्रतिदिन गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के मांगलिक सी.डी. प्रवचन के साथ-साथ डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल द्वारा समयसार के सर्वविशुद्धज्ञान अधिकार की प्रारंभिक गाथाओं पर, डॉ. उत्तमचंदजी सिवनी के प्रात:काल पंचास्तिकाय एवं रात्रि में मोक्षमार्गप्रकाशक पर प्रवचनों का लाभ प्राप्त हुआ। रात्रि में प्रथम प्रवचन में पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जबलपुर, पण्डित ज्ञानचन्दजी विदिशा, पण्डित अनिलजी शास्त्री भिण्ड, पण्डित शैलेषभाई तलोद आदि विद्वानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त मिला।

प्रतिदिन चलने वाली प्रौढ कक्षाओं में पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल जयपुर द्वारा निमित्त-उपादान, पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन द्वारा मोक्षमार्ग प्रकाशक (निश्चयाभासी प्रकरण), ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली द्वारा छहढाला(पहली ढाल), पण्डित शांतिकुमारजी पाटील जयपुर द्वारा समयसार (गाथा-74), पण्डित संजीवकुमारजी गोधा जयपुर द्वारा नयों का सामान्य स्वरूप

एवं पण्डित दिलीपजी बाकलीवाल इन्दौर द्वारा तत्त्वार्थसूत्र (द्वितीय अध्याय-पाँच भाव) की कक्षा ली गई। सायंकाल ब्र. यशपालजी जैन द्वारा गुणस्थान विवेचन की कक्षा ली गई।

दोपहर की सभा में प्रतिदिन बाबू जुगलकिशोरजी 'युगल' के सी.डी. प्रवचन के पश्चात् महाविद्यालय के छात्र विद्वानों द्वारा प्रवचन तदुपरान्त आयोजित व्याख्यानमाला में पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जबलपुर, पण्डित शैलेषभाई तलोद, पण्डित अनिलजी भिण्ड एवं रजनीभाई दोशी आदि विद्वानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त हुआ।

प्रात:कालीन प्रौढ कक्षाओं में पण्डित जयकुमारजी कोटा, पण्डित कमलकुमारजी जबेरा, पण्डित गुलाबचन्दजी बीना, पण्डित शिखरचन्दजी विदिशा, श्री सिद्धार्थजी दोशी रतलाम, डॉ. दीपकजी जैन वैद्य जयपुर, पण्डित कमलेशजी शास्त्री मौ इत्यादि विद्वानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त हुआ। इसके उपरान्त 6.30 बजे से 7.00 बजे तक प्रतिदिन जी-जागरण चैनल पर आने वाले समयसार ग्रन्थ पर डॉ. भारिल्ल के प्रवचनों का प्रसारण होता था।

36वें शिक्षण शिविर के आमंत्रणकर्ता श्री भभूतमल चम्पालालजी भंडारी, श्री नवीनचंद केशवलाल मेहता मुम्बई, श्री प्रेमचन्दजी बजाज कोटा, श्री प्रवीणचन्द सी. मेहता सूरत, श्रीमती भारतीबेन आर. कोठारी मुम्बई एवं श्री शान्तिनाथ व अजितजी जैन बड़ौदा थे।

इस अवसर पर श्री भक्तामर मण्डल विधान का आयोजन किया गया, जिसके आयोजनकर्ता डॉ. अरविन्दजी दोशी गौन्डल, श्री विजयजी कौशल छिन्दवाड़ा, श्री सिद्धार्थजी दोशी रतलाम, श्री नरेन्द्रजी जयपुर, पण्डित शिखरचन्दजी विदिशा, श्री मगनलाल (मामा) आरोन एवं श्री ऋषभकुमारजी जैन रहली थे।

विधि-विधान के समस्त कार्य पण्डित सुनीलजी 'धवल' भोपाल, पण्डित रमेशचन्दजी सनावद एवं पण्डित कांतिकुमारजी इन्दौर के साथ टोडरमल महाविद्यालय के छात्रों ने संपन्न कराये। शिक्षण शिविर के समस्त कार्यक्रम ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री एवं श्री अशोकजी जबलपुर के निर्देशन में संपन्न हुये।

दिनांक 11 अगस्त को श्री कुन्दकुन्द कहान तीर्थसुरक्षा ट्रस्ट के सलाहकार बोर्ड का वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अमृतभाई सी.मेहता फतेहपुर ने एवं उद्घाटन श्री प्रदीपकुमारजी चौधरी किशनगढ ने किया।

ट्रस्ट के आय-व्यय का विवरण श्री विमलकुमारजी नीरू केमिकल्स दिल्ली ने प्रस्तुत किया। ट्रस्ट के महामंत्री श्री बसन्तभाई एम.दोशी ने प्राप्त सुझावों का क्रियान्वयन एवं विभिन्न वक्ताओं के प्रश्नों का समाधान किया साथ ही डॉ. भारिल्ल के मार्मिक सुझावों का लाभ भी मिला।

अंतिम दिन दिनांक 13 अगस्त को श्री अशोकजी जैन जबलपुर ने सभी विद्वानों एवं शिविरार्थियों का तथा पण्डित पीयूषकुमारजी शास्त्री ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों का सहयोग के लिये आभार प्रदर्शन किया। ●

ब्रेम्पटन (कनाडा) में –

श्री आदिनाथ जिनमन्दिर वेदी शिलान्यास संपन्न

● वेदी शिलान्यास में 700 साधर्मियों की उल्लेखनीय उपस्थिति ● पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की घोषणा ● कनाडा के अधिकारी, मंत्री, मेयर इत्यादि की उपस्थिति ● प्रतिष्ठा महोत्सव के अनेक पात्रों का चयन

ब्रेम्पटन (कनाडा) : वर्तमान समय में गुरुदेवश्री कानजीस्वामी द्वारा उद्घाटित तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार में अनेक कीर्तिमान स्थापित हुये हैं। इसी क्रम में ब्रेम्पटन (कनाडा) में निर्माणाधीन श्री आदिनाथ दिगम्बर जैनमंदिर में वेदी शिलान्यास समारोह दिनांक 12 से 14 जुलाई तक अत्यंत भव्यतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के छहढाला पर सी.डी. प्रवचनों के अतिरिक्त ब्र. हेमन्तभाई गांधी सोनगढ, पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी जैन आगरा, पण्डित अशोकजी लुहाड़िया मंगलायतन, किरीटभाई गोसलिया आदि विद्वानों द्वारा प्रवचनों एवं कक्षाओं का लाभ मिला। इसके अतिरिक्त जिनेन्द्र भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय पाठशाला के छात्रों ने भी सहयोग प्रदान किया। अष्टदेवी एवं धर्ममाता की चर्चा का कार्यक्रम भी अत्यन्त आकर्षक रहा। इन्द्रसभा का संचालन पण्डित वीरेन्द्रजी आगरा एवं पण्डित ऋषभजी छिंदवाड़ा ने किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के मांगलिक से हुआ। ध्वजारोहण डॉ. किरीटभाई गोसलिया अमेरिका एवं जिनमंदिर के निर्माता श्री ज्ञानचन्दजी जैन परिवार द्वारा किया गया। मंगल कलश शोभायात्रा तथा रत्नत्रय विधान पण्डित ऋषभजी शास्त्री छिन्दवाड़ा द्वारा हुआ।

इस अवसर पर इस जिनमंदिर में विराजित होने वाले जिनबिम्बों के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की घोषणा दिनांक 6 से 13 जुलाई 2014 के रूप में हुई। साधर्मियों के अतिउत्साह के कारण उसी समय पंचकल्याणक के प्रमुख पात्रों जैसे भगवान के माता-पिता, सौधर्म इन्द्र एवं अनेक इन्द्रों व राजाओं की घोषणा हो गई।

कार्यक्रम में लगभग 700 साधर्मियों ने धर्मलाभ लिया। इसके अतिरिक्त ब्रेम्पटन (कनाडा) के उच्चाधिकारी, मन्त्री एवं स्थानीय मेयर लिन्डा जैफरी, विक्की ढिल्लन, जैन एण्डरसन आदि भी उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम में श्रीमती ज्योत्सनाबेन अमेरिका का भी विशेष सहयोग रहा। शिलान्यास उत्सव में निमित्त जैन, आशीष जैन, संजय जैन, राज पाटील, सुरेन्द्र जैन, विकास जैन, डॉ. महेन्द्र जैन, डॉ. जिनेन्द्र जैन, सुभाष जैन, अजय जैन, चन्द्रवदन जैन, सतपाल जैन, दिनेश जैन सचिन, शान जैन एवं ज्ञानचन्द जैन परिवार का विशेष सहयोग रहा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंजरी जैन, प्रतिभा जैन, रिमा जैन का विशेष सहयोग रहा।

संपूर्ण कार्यक्रम का निर्देशन पण्डित अशोकजी लुहाड़िया मंगलायतन ने किया। इसके अतिरिक्त विधान में श्री कपिलजी अलीगढ व श्री अनिलजी छिन्दवाड़ा का भी सहयोग रहा।

श्री टोडरमल दि. जैन सिद्धान्त महाविद्यालय के नवीन सत्र के छात्रों का ह्न

परिचय सम्मेलन एवं साप्ताहिक गोष्ठियाँ संपन्न

जयपुर (राज.) : यहाँ श्री टोडरमल स्मारक भवन में दिनाँक 21 जुलाई को श्री टोडरमल दि.जैन सिद्धांत महाविद्यालय के नवीन छात्रों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रथम सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल जयपुर, द्वितीय सत्र की अध्यक्षता ब्र. यशपालजी जैन जयपुर एवं तृतीय सत्र की अध्यक्षता पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील जयपुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिलीपभाई शाह मुम्बई उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में श्री शुद्धात्मप्रकाशजी भारिल्ल, डॉ. दीपकजी जैन वैद्य, पण्डित पीयूषजी शास्त्री, पण्डित संजीवकुमारजी गोधा, पण्डित सोनूजी शास्त्री, श्रीमती कमला भारिल्ल आदि विद्वानों का मार्गदर्शन छात्रों को प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त पण्डित अनेकान्तजी शास्त्री, पण्डित गोमटेश्वरजी शास्त्री, श्री शान्तिलालजी जैन अलवरवाले, कु. प्रतीति पाटील आदि महानुभाव भी मंचासीन थे।

कार्यक्रम में सभी नवीन छात्रों ने अपना परिचय दिया और महाविद्यालय में प्रवेश को अपना सौभाग्य मानते हुये भविष्य में तत्त्वज्ञान का प्रचार-प्रसार करने की भावना व्यक्त की। इसके साथ ही अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों का परिचय उसी कक्षा के चार प्रतिनिधियों द्वारा उनकी विशेषताओं का मुक्तकों द्वारा उल्लेख करते हुए दिया गया।

महाविद्यालय में इस वर्ष 33 नवीन छात्रों का प्रवेश हुआ है।

साप्ताहिक गोष्ठी :-

(1) श्री टोडरमल दि.जैन सिद्धान्त महाविद्यालय की अविछिन्न परम्पराओं के अन्तर्गत साप्ताहिक विचार गोष्ठी की परम्परा में इस सत्र की प्रथम रविवारीय गोष्ठी दिनांक 14 जुलाई को आयोजित की गई, जिसका विषय था '**हम और हमारा महाविद्यालय**'।

अध्यक्षता टोडरमल महाविद्यालय के उपप्राचार्य पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील ने की।

इस अवसर पर दस वक्ताओं ने दिये गये विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया, जो इसप्रकार है – **(1) क्या सोचकर लिया महाविद्यालय में प्रवेश**-चर्चित जैन, **(2) महाविद्यालय में प्रवेश के पूर्व एवं पश्चात्**-राहुल जैन, **(3) हमारे विकास में गुरुजनों का योगदान**-मयंक ठगन, **(4) महाविद्यालय का मेरे जीवन पर प्रभाव**-अनुभव, **(5)महाविद्यालय के विद्यार्थियों का भावी जीवन** - अनुभव जैन, **(6) महाविद्यालय से समाज को लाभ**-सत्येन्द्र जैन, **(7) समाज से विद्यार्थियों को लाभ**-शुभम जैन, **(8) विद्यार्थियों के सामने वर्तमान चुनौतियाँ**-प्रीतिंकर जैन, **(9) यदि महाविद्यालय न होता तो**-विनीत जैन, **(10) यदि स्वर्णिम काल का महत्व न समझा तो**-सचिन जैन।

सभी वक्ताओं ने बहुत अच्छा वक्तव्य प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर सम्पूर्ण सभा गद्गद् हो उठी।

गोष्ठी का सफल संचालन शास्त्री अन्तिम वर्ष के छात्र कुलभूषण अम्बेकर एवं समर्पण जैन ने किया। संयोजन सुमतिनाथ अम्बेकर, साकेत जैन व सचिन सागर ने किया।

(2) इसी क्रम में दिनांक 28 जुलाई को '**पंचपरमेष्ठी : एक अनुशीलन**' विषय पर गोष्ठी

का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल ने की।

श्रेष्ठ वक्ता के रूप में शास्त्री वर्ग में नीशू जैन मड़देवरा एवं उपाध्याय वर्ग में शुभम जैन गौरझामर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोष्ठी का संचालन शास्त्री अन्तिम वर्ष के रूपेन्द्र जैन छिन्दवाड़ा एवं अभय जैन सुनवाहा ने किया। आभार प्रदर्शन पण्डित सोनूजी शास्त्री ने किया।

इस अवसर पर दिनांक 14 जुलाई को हुई गोष्ठी के पुरस्कार भी वितरित किये गये, जिसमें श्रेष्ठ कविता हेतु उपाध्याय वर्ग से चेतन जैन खिमलासा (उपाध्याय वरिष्ठ) ने तथा शास्त्री वर्ग से साकेत जैन जयपुर (शास्त्री अन्तिम वर्ष) ने, श्रेष्ठ निबंध हेतु उपाध्याय वर्ग से शुभांशु जैन कोटा (उपाध्याय कनिष्ठ) तथा शास्त्री वर्ग से अभय जैन सुनवाहा (शास्त्री अन्तिम वर्ष) ने एवं श्रेष्ठ कहानी हेतु उपाध्याय वर्ग से स्वप्निल जैन भोपाल (उपाध्याय वरिष्ठ) तथा शास्त्री वर्ग से अभिषेक जैन हीरापुर (शास्त्री प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त किया।

(पृष्ठ 4 का शेष ...)

दोपहर में निमित्त-उपादान चिट्ठी पर एवं रात्रि में जिनेन्द्र भक्ति के उपरान्त परमार्थ वचनिका पर मार्मिक प्रवचनों का लाभ मिला। विधि-विधान के संपूर्ण कार्य पण्डित विरागजी शास्त्री जबलपुर द्वारा संपन्न कराये गये।

दिनांक 23 जुलाई को वीर शासन जयन्ती के अवसर पर प्रात: प्रासंगिक पूजन के उपरान्त डॉ. उत्तमचंदजी द्वारा विशेष व्याख्यान का लाभ मिला। विधान का आयोजन श्रीमती आशाबाई नेमीचन्दजी जैन पायलवाला परिवार द्वारा किया गया। **- संजय जैन**

7. अजमेर (राज.) : यहाँ पुरानी मण्डी स्थित सीमंधर जिनालय में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर श्री वीतराग विज्ञान स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट के तत्त्वावधान में दिनांक 15 से 22 जुलाई तक श्री योगसार महामण्डल विधान का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर डॉ. महावीरप्रसादजी शास्त्री उदयपुर द्वारा दोनों समय योगसार ग्रन्थ पर प्रवचनों का लाभ मिला। इसके अतिरिक्त जिनेन्द्र भक्ति व रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुये।

दिनांक 15 जुलाई को डॉ. महावीरप्रसादजी द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं श्रीमती आशाजी, मौनीजी लुहाड़िया एवं अन्य महिलाओं द्वारा मंगल कलश विराजमान किया गया।

विधि-विधान के संपूर्ण कार्य श्री शीतलजी पाण्डे उज्जैन एवं श्री दिनेशजी कासलीवाल उज्जैन द्वारा संपन्न कराये गये।

8. ध्रुवधाम-बांसवाड़ा (राज.) : रत्नत्रयतीर्थ 'ध्रुवधाम' में अष्टाह्निका पर्व के अवसर पर दिनांक 14 से 22 जुलाई तक श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान एवं आध्यात्मिक शिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ब्र. जतीशभाईजी ने अनंत सुख प्राप्त अनंत सिद्ध भगवंतों के गुणानुवाद करने वाले सिद्धचक्र मण्डल विधान की जयमालाओं, ब्र. सुमतप्रकाशजी खनियांधाना ने समयसार एवं पण्डित रजनीभाई दोशी हिम्मतनगर ने प्रवचनसार ग्रन्थ पर प्रवचन किये।

महोत्सव के संपूर्ण कार्यक्रम ब्र. जतीश चन्दजी शास्त्री के कुशल निर्देशन में पण्डित सुबोधकुमारजी शास्त्री व पण्डित सुनीलकुमारजी शास्त्री द्वारा आचार्य अकलंकदेव जैन न्याय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के सहयोग से संपन्न कराये गये।

दशलक्षण महापर्व में धर्म प्रभावनार्थ कहाँ-कौन ?

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 9 सितम्बर 2013 से प्रारम्भ हो रहे दशलक्षण महापर्व में समाज के आमंत्रण पर तत्त्वप्रचारार्थ विद्वान भेजे जा रहे हैं। पर्व के प्रारंभ होने में लगभग 18 दिन का समय शेष है, तथापि दिनांक 21 अगस्त 2013 तक हमारे पास 390 स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो चुके हैं और अभी भी अनेक स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो रहे हैं। दिनांक 21 अगस्त 2013 तक लिये गये निर्णयानुसार अब तक लगभग 344 स्थानों पर ही विद्वान निश्चित हो सके हैं; शेष स्थानों पर विद्वान निश्चित करना बाकी है। अभी तक तैयार सूची यहाँ प्रकाशित की जा रही है ह्न

विशिष्ट विद्वान : 1. **कोटा** : बाबू जुगलकिशोरजी 'युगल' कोटा, 2. **इन्दौर** : डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल, जयपुर 3. **जयपुर** : पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल, जयपुर, 4. **औरंगाबाद** : ब्र. यशपालजी जैन, जयपुर, 5. **सोनागिर** : पण्डित ज्ञानचन्दजी जैन, विदिशा, 6. **बेलगाँव** : ब्र. सुमतप्रकाशजी जैन, खनियांधाना 7. **ग्वालियर (फाल्के बाजार)** : पण्डित विमलप्रकाशजी झांझरी, उज्जैन, 8. **जबलपुर** : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री, सनावद, 9. **बडोदा** : ब्र. अभिनन्दनजी शास्त्री, खनियांधाना, 10. **वस्त्रापुर (अहमदाबाद)** : पण्डित राजेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, 11. **दिल्ली (विश्वासनगर)** : पण्डित अभयकुमारजी देवलाली, 12. **निसईजी** : ब्र. संवेगी केशरीचन्दजी 'धवल', 13. **नागपुर** : ब्र. हेमचन्दजी 'हेम' देवलाली, 14. **पुणे** : पण्डित कपूरचन्दजी 'कौशल' भोपाल, 15. **बीना** : पण्डित शांतिकुमारजी पाटील, जयपुर, 16. **दिल्ली** : पण्डित प्रदीपजी झांझरी, उज्जैन, 17. **नवरंगपुरा-अहमदाबाद** : पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी जैन, आगरा, 18. **दादर मंदिर-मुम्बई** : पण्डित शैलेशभाई शाह, तलौद, 19. **मलाड (ईस्ट)** : पण्डित राकेशजी शास्त्री, नागपुर, 20. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** : पण्डित अशोकजी लुहाड़िया, मंगलायतन, 21. **मुम्बई** : पण्डित दिनेशभाई शाह, 22. **मुम्बई** : वि. उज्ज्वला शाह, 23. **राजकोट** : पण्डित सुनील जैनापुरे, राजकोट 24. **फिरोजाबाद** : पण्डित पीयूष कुमार शास्त्री, जयपुर, 25. **दादर-मुम्बई** : पण्डित अनिलकुमार शास्त्री, भिण्ड, 26. **शिवपुरी** : ब्र. कैलाशचन्द्रजी अचल, 27. **गजपंथा** : डॉ. दीपक जैन, जयपुर।

विदेश : 1. **टोरंटो** : डॉ. उत्तमचन्दजी जैन, सिवनी, 2. **नैरोबी केन्या** : पण्डित ज्ञायक शास्त्री, मुम्बई, 3. **शिकागो** : पण्डित संजीवकुमारजी गोधा, जयपुर।

मध्यप्रदेश प्रान्त : 1. **अशोकनगर** : पण्डित चेतनभाई, राजकोट, 2-3. **जबलपुर** : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री, दिल्ली, पं. बाबूभाई मेहता, फतेपुर, 4. **इन्दौर (साधनानगर)** : पण्डितदेवेन्द्रकुमारजी बिजौलिया, 5. **भोपाल (कोहेफिजा)** : पण्डित सुनीलकुमारजी इंजी. सागर, 6. **बीना** : पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील, जयपुर, 7. **रतलाम (आदिनाथ चैत्यालय)** : पण्डित रीतेशजी शास्त्री, सनावद, 8. **इन्दौर (शक्कर बाजार)** : पण्डित सुरेशचन्दजी, टीकमगढ़ 9.**विदिशा (किला अन्दर)** : पण्डित प्रतीकजी शास्त्री जबलपुर, 10. **बड़नगर** : पण्डित संजयजी पुजारी, खनियाँधाना, 11. **इन्दौर (पलासिया)** : पण्डित धनसिंहजी ज्ञायक, पिड़ावा, 12. **उज्जैन** : पण्डित मनोजकुमारजी, जबलपुर, 13. **गुना (वीतराग-विज्ञान)** : पण्डित अरुणकुमारजी मोदी, सागर, 14. **भोपाल (चौक)** : ब्र. सुनीलजी शास्त्री, शिवपुरी, 15. **भिण्ड (परमागम मन्दिर)** : पण्डित चेतन शास्त्री, कोटा, 16. **बदरवास** : पण्डित राजेशकुमारजी जैन, जबलपुर,

17-18. **ग्वालियर (फालका बाजार)** : पण्डित विमलचन्दजी झांझरी, ब्र. समता झांझरी उज्जैन, 19. **गढ़ाकोटा** : पण्डित नागेशजी, पिड़ावा 20. **सागर (महावीर जिनालय)** : पण्डित प्रकाशचन्दजी झांझरी उज्जैन, 21. **कोलारस (चौधरी मोहल्ला)** : पण्डित महेशचन्दजी, ग्वालियर, 22. **ग्वालियर (सोडा का कुआँ)** : पण्डित शिखरचन्दजी, विदिशा, 23. **बेगमगंज** : पण्डित मुरारीलालजी, नरवर, 24. **खुरई** : पण्डित नरेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, 25. **होशंगाबाद** : पण्डित आकेशजी, छिन्दवाड़ा, 26. **खनियांधाना** ब्र. कल्पनाबेन, जयपुर 27. **जावरा** : पण्डित प्रमोदजी मकरोनिया, सागर, 28. **बण्डा** : पण्डित संभव शास्त्री, नैनधरा, 29. **इन्दौर (ओम विहार)** : पण्डित मनीष शास्त्री, खतौली, 30. **अम्बाह** : पण्डित अंकित शास्त्री, छिन्दवाड़ा, 31. **भोपाल (कस्तूरबानगर)** : डॉ. महेशचन्दजी शास्त्री, गुढ़ा, 32. **करेरा** : पण्डित विराग शास्त्री, बांसवाड़ा, जयपुर, 32. **मौ** : पण्डित निखिल शास्त्री, मेरठ, 33. **शहडोल** : पण्डित ब्र. चन्द्रकुमारजी, शिवपुरी, 33. **छिन्दवाड़ा** : पण्डित प्रद्युम्नकुमारजी, मुजफ्फनगर, 34. **शाहगढ़** : पण्डित निर्मलकुमारजी एडवोकेट, 35. **सागर (तारण-तरण)** : पण्डित श्री तेजकुमारजी गंगवाल, इन्दौर, 36. **शिवपुरी (शान्तिनाथ मन्दिर)** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, हीरापुर, जयपुर, 37. **शिवपुरी (परमागम मन्दिर)** : पण्डित कैलाशचन्दजी अचल, ललितपुर, 38. **इन्दौर (गांधीनगर)** : पण्डित कस्तूरचन्दजी बजाज, भोपाल, 39. **मन्दसौर (गोल चौराहा)** : पण्डित नेमीचन्दजी, ग्वालियर, 39. **मगरौन** : पण्डित अर्पित शास्त्री, बांसवाड़ा, 40. **गंजबसौदा (तारण-तरण)** : विदुषी ब्र. सुधाबेन, छिन्दवाड़ा, 41. **बनखेड़ी** : पण्डित शुभम् शास्त्री, उभेगाँव, 42. **शुजालपुर मण्डी** : पण्डित सिद्धार्थजी दोशी, मुम्बई, 43. **शहापुर (बुरहानपुर)** : विदुषी श्रीमती लता रोम, अकोला, 44. **गौरझामर** : ब्र. धरणेन्द्रजी, दिल्ली, 45. **सनावद (स्वाध्याय भवन)** : पण्डित शीतल शेट्टी, अ. लाट 46. **नरवर** : पण्डित नीलेश शास्त्री, बांसवाड़ा, 47. **रांझी (जबलपुर)** : पण्डित दिलीपजी बाकलीवाल, इन्दौर 48. **कुचड़ौद** : पण्डित विक्रांत मोदी, शास्त्री, भगवां, 49. **आरोन** : पण्डित श्री अशोकजी जैन, उज्जैन, 50. **निसईजी (मल्हारगढ़)** : ब्र. केशरीचन्दजी धवल, छिन्दवाड़ा, 51. **मकरोनिया (सागर)** : पण्डित नन्दकिशोरजी गोयल, विदिशा, 52. **शहपुरा भिटोनी** : पण्डित अंकित शास्त्री, धार, 53. **सिवनी** : विदुषी पुष्पाजी, खंडवा, इन्दौर, 54.**महिदपुर** : पण्डित संजय साव शास्त्री, खनियांधाना, 55. **कोलारस (आदिनाथ)** : पण्डित प्रशांत शास्त्री, अमरमऊ, जयपुर, 56. **धर्मपुरी** : पण्डित धर्मेन्द्रजी सिंहल, ग्वालियर, 56. **अमायन** : पण्डित सचिन शास्त्री, सागर, 57. **इन्दौर (विजयनगर)** : पण्डित कमलेशजी शास्त्री, मौ., 58. **दलपतपुर** पण्डित सुदीपजी शास्त्री, बरगी, 59. **रहली** : पण्डित प्रतिंकर शास्त्री, ललितपुर (जयपुर), 60. **ग्वालियर (थाठीपुर)** : पण्डित फूलचन्दजी, हिंगोली, 61. **विदिशा (अरिहंतविहार)** : पण्डित अंकुर शास्त्री, देहगाँव, 62. **कटनी** : पण्डित कमलचन्दजी, पिड़ावा, 63. **फोपनार** : पण्डित भूपेन्द्र जैन, मंगलायतन, 64. **राधौगढ** : पण्डित सुनीलजी जैन, देवरी, 65. **पंधाना** : पण्डित सूरज शास्त्री, कुचामन सिटी, 66. **पथरिया** : पण्डित पदमकुमारजी, कोटा, 67. **निसईजी (मल्हारगढ़)** : पण्डित रतनलालजी, होशंगाबाद, 68. **निसईजी (मल्हागढ़)** : पण्डित राजकुमारजी सर्राफ, सागर, 69. **निसईजी** : विदुषी पुष्पाबेन, होशंगाबाद, 70. **निसईजी** : पण्डित बाहुबली शास्त्री, जयपुर, 71. **अथाईखेड़ा (अशोकनगर)** : पण्डित राहुल शास्त्री, जयपुर, 72. **इन्दौर (रामचन्द्र नगर)** : पण्डित गौरव शास्त्री, चन्देरी, 73. **करेली** : पण्डित ऋषभचन्द जैन, मंगलायतन, 74. **बिजुरी** : विदुषी नयना शास्त्री, भोपाल, 74. **घुवारा** : पण्डित

राकेशजी शास्त्री, लिधौरा, 75. **ग्वालियर (फाल्के बाजार)** : पण्डित अंकित शास्त्री, लूणदा, 76. **इन्दौर (कालानी नगर)** : पण्डित पदमचन्दजी गंगवाल, इन्दौर, 77. **गंधवानी (धार)** : पण्डित अक्षय शास्त्री, बाँसवाड़ा, 78. **विजयपुर (गुना)** : पण्डित विमलचन्दजी, जलेसर, 79. **अमलाई** : पण्डित समर्पण शास्त्री, भिण्ड, जयपुर, 80. **द्रोणगिरी** : पण्डित रमेशचन्दजी लवाणवाले, जयपुर, 81. **सागर (बालकव्यू)** : पण्डित सन्मति शास्त्री, सागर, 82. **जावर** : पण्डित पंकजजी शास्त्री, खडेरी, 83. **विदिशा (स्टेशन मन्दिर)** : पण्डित ब्र. अमित भैया, 84. **सनावद (समवशरण मन्दिर)** : पण्डित विवेकजी शास्त्री, पिड़ावा, 85. **सागर (तारण-तरण)** : पण्डित अक्षय शास्त्री, छिन्दवाड़ा, जयपुर, 85. **बदरवास** : पण्डित अभयकुमारजी जैन, 86. **दलपतपुर** : पण्डित निखलेश शास्त्री, 87. **खिरकिया जि. हरदा** : पण्डित हुकमचन्दजी राघौगढ़ 88. **सुसनेर** : पण्डित अचल शास्त्री, खनियांधाना, 89. **भानगढ़ (बीना)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, कोलारस, जयपुर, 90. **गंजबसौदा (त्रिमूर्ति मंदिर)** : पण्डित अभयजी शास्त्री, सुनवाहा, जयपुर, 91. **इटारसी (तारण-तरण)** : पण्डित सुधीर सहयोगी, सागर, 92. **गौरझामर** : पण्डित विनय शास्त्री, दिल्ली, 93. **पचमढ़ी** : पण्डित प्रतीक शास्त्री, जयपुर, 94. **इन्दौर (रामचन्द्र नगर)** : विदुषी अनुभूति शास्त्री, जयपुर, 95. **शहपुरा भिटौनी** : पण्डित देवेन्द्रकुमारजी शास्त्री, जयपुर, **सागर (मकरोनिया बालकक्षा हेतु)** : पण्डित ऋषभ जैन, बाँसवाड़ा, 96. **बरायठा** : पण्डित निलय शास्त्री, जयपुर, 97. **मन्दसौर (कालाखेत)** : पण्डित अनिलजी इंजी., इन्दौर, 98. **मौ (विधान हेतु)** : पण्डित अभयजी शास्त्री, ग्वालियर, 99. **राघौगढ़** : पण्डित गौरवजी शास्त्री, भिण्ड, 100. **इन्दौर (गांधीनगर)** : पण्डित गौरवजी शास्त्री, बांसवाड़ा, 101. **नई सराय (अशोकनगर)** : पण्डित सतेन्द्रजी शास्त्री, बरायठा, 102. **धार** : पण्डित प्रमोदजी शास्त्री, जौलाना, 103. **राघौगढ़** : पण्डित अशोकजी शास्त्री, कारंजा, 104. **द्रोणगिरी** : पण्डित महेन्द्रजी शास्त्री, खनियांधाना, 105. **द्रोणगिरी** : पण्डित कैलाशचन्दजी, महरोली, 106. **करेली** : पण्डित प्रवेश भारिल्ल, 107. **लुकवासा** : पण्डित देवेन्द्रजी शास्त्री, अकाझिरी, 108. **सिंगोली** : पण्डित राजेशजी शास्त्री, 109. **इन्दौर (लश्करी बाजार)** : पण्डित वीरेन्द्रजी शास्त्री, बरा।

महाराष्ट्र प्रान्त : 1. **मुम्बई (सीमंधर जिनालय)** : पण्डित संजय शास्त्री, अलीगढ़, 2. **मुम्बई (दादर मंदिर)** : पण्डित शैलेषभाई तलौद, 3. **मुम्बई (दादर मंडल)** : पण्डित अनिलजी शास्त्री, भिण्ड, 4. **मुम्बई (बोरीवली)** : पण्डित विपिनजी शास्त्री, मुम्बई, 5. **मुम्बई (घाटकोपर)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, शहपुरा, 6. **मुम्बई (भायंदर) वेस्ट** : पण्डित श्रेणिकजी, जबलपुर, 7. **मुम्बई (मलाड)** : पण्डित राकेशजी शास्त्री, नागपुर, 8. **मुम्बई (दहीसर)** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, गजपंथा, 9. **नागपुर (इतवारी)** : ब्र. हेमचन्दजी 'हेम', देवलाली, 10. **गजपंथा** : डॉ. दीपकजी शास्त्री, जयपुर, 11. **पुणे (स्वा. मंडल)** : डॉ. कपूरचन्दजी कौशल, भोपाल, 12. **पुणे (सांगवी)** : पण्डित नन्दकिशोरजी मांगूलकर, काटोल, 13. **जलगांव** : पण्डित शीतलजी पाण्डे, उज्जैन, 14. **हिंगाली** : पण्डित विराग शास्त्री, जबलपुर, 15. **मलकापुर** : पण्डित सुबोधजी सिंघई, सिवनी, 16. **वाशिम (जवाहर कालोनी)** : पण्डित चितरंजनजी, छिन्दवाड़ा, 17. **कारंजा (लाड)** : पण्डित आशीष शास्त्री, कोटा, 18. **सेनगाँव** : पण्डित अंकुर शास्त्री, मडदेवरा, 19. **मुम्बई (एवरशाईनगर)** : पण्डित मनीषजी शास्त्री, इन्दौर, 20. **देवलाली** : पण्डित जयकुमारजी जैन, बारा, 21. **जयसिंगपुर** : पण्डित विजयसेन शास्त्री, आलते, 22. **चिखली** : पण्डित अक्षय चव्हाण, ध्रुवधाम, 23. **अकलूज** : पण्डित शुभम् शास्त्री, जयपुर, 24. **औरंगाबाद** : पण्डित ब्र.

यशपालजी जैन, जयपुर, 25. **पुणे (चिंचवड़)** : पण्डित संजयजी सेठी, जयपुर, 25. **वरूड** : पण्डित रोहन घाटे शास्त्री, जयपुर, 26. **डासाला** : पण्डित शीतलजी शास्त्री, कोल्हापुर, 27. **रिसोड** : पण्डित स्वप्निल लंबू, बांसवाड़ा, 28. **अक्कलकोट** : पण्डित संकेत बोरालकर शास्त्री, जयपुर, 29. **फालेगाँव** : पण्डित रत्नेश जैन, बांसवाड़ा, 30. **बेलोरा** : पण्डित रोहित सिदनाले, बांसवाड़ा, **औरंगाबाद** (छात्र विद्वान) : पण्डित अमोल महाजन, जयपुर, 31. **नातेपुते** : पण्डित शीतल दोशी, सोलापुर, 32. **विहीगाँव** : पण्डित वीतराग बसवाड़े, जयपुर, 33. **गजपंथा (विधान हेतु)** : पण्डित अनिलजी शास्त्री 'धवल' भोपाल, 34. **देऊलगाँवराजा** : पण्डित विनीत शास्त्री, आगरा, 35. **देवलाली (विधान हेतु)** : पण्डित दीपकजी धवल, भोपाल, 36. **अकोला** : पण्डित ऋषभजी शास्त्री, अहमदाबाद, 37. **मुम्बई (अंधेरी)** : पण्डित धर्मेन्द्रकुमारजी शास्त्री, कोटा, 38. **बाहुबली (कुंभौज)** : डॉ. नेमीनाथ शास्त्री, दानोली, 40. **सांगली** : पण्डित शाकुल शास्त्री, मेरठ, 41. **वाशी (नवी मुम्बई)** : ब्र. नन्हे भैया, सागर, 41. **कल्याण (मुम्बई)** : पण्डित अंकित जैन, इन्दौर, 42. **पुणे** : पण्डित जितेन्द्र राठी, नागपुर, 43. **गजपंथा (मराठी विद्वान)** : पण्डित गणेशजी शास्त्री, जयपुर, 44. **चोपड़ा** : पण्डित अभिषेक मंगलार्थी, उभेगाँव, 45. **मुम्बई (कांदीबली)** : पण्डित अंकित सरल, खनियांधाना, 46. **मुम्बई (मलाड)** : पण्डित अभिनय शास्त्री, जबलपुर, 47. **काटोल** : पण्डित अध्यात्म शास्त्री, नरवर, 48. **वडोत तांगडा** : पण्डित बाहुबली चौगुले, बाँसवाड़ा, 49. **सावदा** : पण्डित जयेश रोकड़े, 50. **हेरले** : पण्डित अनिलजी आलमान शास्त्री, 51. **कोल्हापुर** : पण्डित जिनचन्द्रजी शास्त्री, हेरले, 52. **इचलकरंजी** : पण्डित दीपकजी अथणे, ढवली, 53. **कोल्हापुर (उचगांव)** : पण्डित महेशजी पाटील, हेरले, 54. **पुणे** : पण्डित सनतजी शास्त्री, रुडकी, 55. **जत** : पण्डित उमेशजी घोसरवाडे, जयसिंगपुर, 56. **जयसिंगपुर** : पण्डित संतोषजी मिणचे, बोरगांव, 57. **सातारा** : पण्डित मिलिंदजी शास्त्री, कबनूर, 58. **कोरेगांव** : पण्डित दीपकजी शास्त्री, आलते, 59. **हिंगोली (आदिनाथ मंदिर)** : पण्डित अमोलजी शास्त्री, कातनेश्वर, 60. **हिंगोली** : पण्डित पंकजजी सिंघई, 61. **बसमतनगर** : पण्डित संदेशजी शास्त्री, कलमनुरी।

राजस्थान प्रान्त : 1. **कोटा** : पण्डित बाबू जुगल किशोरजी 'युगल', 2. **कोटा (रामपुरा)** : पण्डित अनुभवजी शास्त्री, 3. **कोटा (इन्द्र विहार)** : डॉ. महावीर शास्त्री, (टोकर) उदयपुर, 4. **अलवर (मु. मंडल)** : पण्डित विक्रांत शहा, शोलापुर, 5. **पिडावा** : पण्डित मनोजकुमारजी शास्त्री, करेली, 6. **अजमेर (वी.विज्ञान भवन)** : पण्डित सुदीपजी जैन, बीना, 7. **उदयपुर (सेक्टर-11)** : पण्डित सुरेन्द्रकुमारजी जैन, उज्जैन, 8. **उदयपुर (नेमीनगर)** : पण्डित अभिलाष शास्त्री, कोटा, 9. **उदयपुर (गायरीयावास)** : डॉ. नेमचन्द शास्त्री, खतौली, 10. **बून्दी (मुमुक्षु मण्डल)** : पण्डित राजीवजी शास्त्री, थानागाजी, 11. **भीलवाड़ा** : पण्डित सुनील शास्त्री, प्रतापगढ़, 12. **कानोड** : पण्डित सन्दीप शास्त्री, शहपुरा, 13. **किशनगढ़** : पण्डित सुमतिनाथ शास्त्री, जयपुर, 14. **सेमारी** : पण्डित शुद्धात्म खरेह (कोटा), 15. **कुरावड़** : पण्डित पवनकुमारजी शास्त्री, जयपुर, 16. **प्रतापगढ़ (मुमुक्षु मंडल)** : पण्डित सुनीलजी शास्त्री, निम्बाहेड़ा, 17. **कुशलगढ़ (तेरापंथी)** : पण्डित जीवेशकुमारजी शास्त्री, पिड़ावा, 18. **बिजौलिया** : पण्डित पदमकुमारजी अजमेरा, इन्दौर, 19. **पीसांगन** : पण्डित रूपेन्द्रजी शास्त्री, जयपुर, 20. **देवली (आदिनाथ)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, खनियांधाना, जयपुर, 21. **देवली (चन्द्रप्रभ)** : पण्डित विनीत शास्त्री, पोहरी, जयपुर, 22. **टोकर** : ब्र. रविजी, ललितपुर, 23. **साकरोदा** : पण्डित शुभम् मोदी, जयपुर, 24. **लाम्बाखोह** : पण्डित सौरभ जैन, सागर, 25. **जयथल** : पण्डित

विरेन्द्रजी शास्त्री, आमेर, 26. **लकड़वास** : पण्डित हेमचन्द जैन, शाहगढ़, जयपुर, 27. **बोहेडा** : पण्डित रत्नेश जैन, बांसवाड़ा, 28. **झालरापाटन** : पण्डित शान्तिलालजी सोगानी, महिदपुर, 29. **अजमेर (वैशालीनगर)** : पण्डित अश्विन शास्त्री, नौगामा, 30. **अजमेर (विधान हेतु)** : पण्डित ऋषभ जैन, मौ, 31. **चित्तौड़गढ़ (कुम्भानगर)** : पण्डित धर्मचन्दजी, जयथल, 32. **वल्लभनगर** : पण्डित विकासजी शास्त्री, बडामलहरा, 33. **डबोक** : पण्डित योगेशजी शास्त्री देवरी, 34. **अलवर (विधान)** : पण्डित निखिल शास्त्री, बांसवाड़ा, 35. **बेगू** : पण्डित आशु शास्त्री, झालरापाटन, 36. **पीसांगन (विधान हेतु)** : पण्डित अनुभव शास्त्री, जयपुर, 37. **कोटा (मुमुक्षु आश्रम)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, गढ़ाकोटा, 38. **केलवाड़ा** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, केलवाड़ा, 39. **झालावाड़** : पण्डित शुभम् जैन, सागर, 40. **बांसवाड़ा** : पण्डित प्रवीणजी शास्त्री, रायपुर, 41. **छापड़ा** : पण्डित माणकचन्दजी शास्त्री, बेरी, 42. **पारसोली** : पण्डित चिन्मय शास्त्री, पिड़ावा, 43. **बारा** : पण्डित सतीशजी, पिपरई, 44. **अलीगढ़** : पण्डित सतेन्द्र जैन, बरायठा, 45. **भीलवाड़ा** : पण्डित अरविन्द शास्त्री, बंडा, 46. **कोटा (छावनी)** : पण्डित शनि शास्त्री, खनियांधाना, 47. **कोटा (छावनी)** : पण्डित प्रेमचन्दजी बजाज, कोटा, 48. **उदयपुर (सेक्टर-14)** : पण्डित खेमचन्द शास्त्री, गुढ़ाकोटा, 49. **गढ़ी** : पण्डित मंयक शास्त्री, बांसवाड़ा, 50. **निवाई** : पण्डित शिखरचन्दजी शास्त्री, सागर, 51. **चाकसू** : पण्डित विजयजी शास्त्री, 52. **अलवर** : पण्डित अजितकुमारजी शास्त्री, फुटेरा, 53. **अलवर** : पण्डित प्रेमचन्दजी शास्त्री, भौंती, 54-55. **भिण्डर** : पण्डित कृष्णचन्द शास्त्री, भिण्ड एवं पण्डित गजेन्द्र शास्त्री।

उत्तरप्रदेश प्रान्त : 1. **फिरोजाबाद** : पण्डित पीयूषजी शास्त्री, जयपुर, 2. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** : पण्डित सचिनजी जैन, खनियांधाना, 3. **मैनपुरी** : पण्डित जगदीशजी, उज्जैन, 4. **खतौली (चन्द्रप्रभ जिनालय)** : पण्डित लालारामजी साहू, अशोकनगर, 5-6. **ललितपुर** : ब्र. पुष्पाबेन एवं ज्ञानधारा झांझरी, उज्जैन, 7. **कुरावली** : पण्डित सुमित शास्त्री, खरेह, 8. **मेरठ (तीरगरान)** : पण्डित राहुल जैन, रानीपुर, 9. **बांधा** : पण्डित अनुभव शास्त्री, सिलवानी, 10. **भौगाँव** : पण्डित जिनेश सेठ, जयपुर, 11. **जैतपुरकला** : पण्डित अमित शास्त्री, बांसवाड़ा, 12. **कानपुर (किदवईनगर)** : पण्डित विकास शास्त्री, मौ., 13. **शिकोहाबाद** : पण्डित धवल शास्त्री, डडूका, 14. **धामपुर** : पण्डित प्रदीपजी शास्त्री, खतौली, 15. **कायमगंज** : पण्डित मयंक शास्त्री, टीकमगढ़, 16. **करहल** : ब्र. सुकमाल झांझरी, उज्जैन, 17-18. **केराना** : पण्डित राहुल जैन, बंडा, पण्डित विकास जैन, दलपतपुर, 19. **गंगेरू** : पण्डित विवेक जैन, बांसवाड़ा, 20. **सहारनपुर** : पण्डित गुलाबचन्दजी जैन, बीना, 21. **एतमादपुर** : पण्डित बांकेबिहारीजी, 22. **एटा** : पण्डित प्रकाशचन्दजी ज्योतिर्विद, मैनपुरी, 23. **रुडकी** : पण्डित निशांत शास्त्री, बांसवाड़ा, 24. **रानीपुर (झांसी)** : पण्डित महेन्द्र शास्त्री, भिण्ड, 25. **कानपुर (मुमुक्षु मण्डल)** : पण्डित विपिनजी जैन, मंगलायतन, 26. **खतौली (पद्मप्रभ)** : पण्डित शुभम्, झालरापाटन, 27. **छपरौली** : पण्डित अभिनयजी, कोटा, 28. **सकीट** : पण्डित ऋषभ जैन, बांसवाड़ा, 29. **चिलकाना** : पण्डित पारस अग्रवाल, बांसवाड़ा, 30. **कानपुर (छात्र)** : पण्डित संचित शास्त्री, ग्वालियर, 31. **सहारनपुर (छात्र)** : पण्डित मनीष शास्त्री, भिण्ड, 32-33. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** : पण्डित अशोकजी लुहाड़िया, बिजौलिया एवं आशीष शास्त्री, दूणी, 34-35. **आगरा** : पण्डित गणतंत्र शास्त्री एवं निलय शास्त्री, टीकमगढ़, 36-37-38. **खतौली** : पण्डित कल्पेन्द्रजी, पण्डित रमेशचन्दजी, पण्डित अशोकजी।

गुजरात प्रान्त : 1. **अहमदाबाद (वस्त्रापुर)** : पण्डित राजेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, 2.

अहमदाबाद (नवरंगपुरा) : पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी, आगरा, 3. **अहमदाबाद (मणीनगर)** : पण्डित ज्ञाता झांझरी, सूरत, 4. **अहमदाबाद (पालडी)** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, सिलवानी, 5. **अहमदाबाद (ओढव)** : पण्डित गौरव शास्त्री, बांसवाड़ा, 6. **अहमदाबाद (मेघाणीनगर)** पण्डित रीतेश शास्त्री, डडूका, 7. **अहमदाबाद (आशीषनगर)** : पण्डित रतनचन्दजी शास्त्री, कोटा, 8. **हिम्मतनगर** : पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री, खैरागढ़, 9. **राजकोट** : पण्डित नीलेशभाई, मुम्बई, 10. **दाहोद** : पण्डित रमेशजी 'मंगल', सागर, 11. **रखियाल** : पण्डित निखिल जैन, भायंदर, 12. **बड़ौदा** : ब्र. अभिनन्दनजी शास्त्री, देवलाली, 12. **तलोद** : पण्डित राहुल शास्त्री, मुम्बई, 13. **मोरबी** : पण्डित समकित शास्त्री, गुना, 14. **अहमदाबाद (अमराईवाडी)** : पण्डित स्वानुभव शास्त्री, गुना, 16. **अहमदाबाद (पार्श्वनाथ चैत्यालय)** : पण्डित संजय शाह शास्त्री, परतापुर, 17. **अहमदाबाद नरौडा** : पण्डित सुदीपजी शास्त्री, अमरमऊ, 18. **जहेर** : पण्डित आशीषजी शास्त्री, मडावरा, 19. **नवसारी** : पण्डित अच्युतकान्तजी शास्त्री, जयपुर, 20. **सुरेन्द्रनगर** : पण्डित सुधीरजी शास्त्री, मंगलायतन, 21. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम)** : पण्डित सचिनजी शास्त्री, गढ़ी, 22. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम)** : पण्डित जयेशजी शास्त्री, जयपुर, 23. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम)** : पण्डित चेतनजी शास्त्री, गोरमी, 24-25-26. **अहमदाबाद** : पण्डित सोनूजी शास्त्री, पोरमा, पण्डित उदयमणिजी शास्त्री, भिण्ड, पण्डित रीतेशजी शास्त्री, आशीषनगर, 27-28. **दाहोद** : पण्डित राकेशजी दोशी, परतापुर एवं पण्डित वीरेन्द्रजी शाह, डडूका, 29-30-31. **सोनगढ़ (विद्यालय)** : पण्डित मेहुलजी शास्त्री, कोलकात्ता, पण्डित अनेकान्तजी शास्त्री, बांसवाड़ा एवं पण्डित आत्मन्जी शास्त्री।

अन्य प्रान्त : 1. **कोलकाता** : पण्डित रजनीभाई दोशी, हिम्मतनगर, 2. **बेलगाँव** : ब्र. सुमतप्रकाशजी, खनियांधाना, 3. **बैंगलौर** : डॉ. विवेक जैन, सिवनी, 4. **रानीपुर (हरिद्वार)** : पण्डित कैलाशचन्दजी शास्त्री, बीकानेर, 5. **लुधियाना** : पण्डित अंचल शास्त्री, ललितपुर, 6. **रामगढ़ केन्ट** : पण्डित अचल शास्त्री, ललितपुर, 7. **एरनाकुल्लम (केरल)** : पण्डित तपिश शास्त्री, उदयपुर, 8. **यमुनानगर (हरियाणा)** : पण्डित दिनेशजी कासलीवाल, उज्जैन, 9. **बागेवाड़ी (नगर)** : पण्डित अमित शास्त्री, धर्मन्नावर, 10. **देहरादून (विकासनगर)** : पण्डित शशांकजी, सागर, 11. **गुड़गांव (फेस द्वितीय)** : पण्डित मनोजकुमारजी, मुजफ्फरनगर, 12. **सम्मेदशिखर (कुन्दकुन्दनगर)** : पण्डित रमेशचन्दजी शास्त्री, जयपुर, 13-14. **खडगपुर** : पण्डित जिनकुमारजी शास्त्री, पण्डित श्री सौरभजी शास्त्री, जयपुर, 15. **कोथली** : पण्डित सुरेन्द्रजी पाटील, माणकापुर, 16. **माणकापुर** : पण्डित चेतनजी चौगुले, 17. **स्तवनिधि** : पण्डित आलाप्पन्ना हादीमणी, 18. **उगार** : पण्डित राजूजी सांगावे, 19. **गुडगांव (से.-43)** : पण्डित शुभम्जी शास्त्री, बिनौली, 20. **कोलकात्ता** : पण्डित अमितकुमारजी शास्त्री, फुटेरा।

श्री टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट द्वारा संचालित
ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन जयपुर में

16वाँ बृहद् आध्यात्मिक शिक्षण-शिविर

(दिनांक 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2013 तक)

इस शिविर में तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल के अतिरिक्त अन्य अनेक विद्वानों के प्रवचनों एवं कक्षाओं का लाभ प्राप्त होगा। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

विशिष्ट विद्वान

विशिष्ट विद्वान : 1. **कोटा** : बाबू जुगलकिशोरजी 'युगल' कोटा, 2. **इन्दौर** : डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल, जयपुर 3. **जयपुर** : पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल, जयपुर, 4. **औरंगाबाद** : ब्र. यशपालजी जैन, जयपुर, 5. **सोनागिर** : पण्डित ज्ञानचन्दजी जैन, विदिशा, 6. **बेलगाँव** : ब्र. सुमतप्रकाशजी जैन, खनियांधाना 7. **ग्वालियर (फाल्के बाजार)** : पण्डित विमलप्रकाशजी झांझरी, उज्जैन, 8. **जबलपुर** : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री, सनावद, 9. **बडोदा** : ब्र. अभिनन्दनजी शास्त्री, खनियांधाना, 10. **वस्त्रापुर (अहमदाबाद)** : पण्डित राजेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, 11. **दिल्ली (विश्वासनगर)** : पण्डित अभयकुमारजी देवलाली, 12. **निसईजी** : ब्र. संवेगी केशरीचन्दजी 'धवल', 13. **नागपुर** : ब्र. हेमचन्दजी 'हेम' देवलाली, 14. **पुणे** : पण्डित कपूरचन्दजी 'कौशल' भोपाल, 15. **बीना** : पण्डित शांतिकुमारजी पाटील, जयपुर, 16. **दिल्ली** : पण्डित प्रदीपजी झांझरी, उज्जैन, 17. **नवरंगपुरा-अहमदाबाद** : पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी जैन, आगरा, 18. **दादर मंदिर-मुम्बई** : पण्डित शैलेशभाई शाह, तलौद, 19. **मलाड (ईस्ट)** : पण्डित राकेशजी शास्त्री, नागपुर, 20. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** : पण्डित अशोकजी लुहाड़िया, मंगलायतन, 21. **मुम्बई** : पण्डित दिनेशभाई शाह, 22. **मुम्बई** : वि. उज्ज्वला शाह, 23. **राजकोट** : पण्डित सुनील जैनापुरे, राजकोट 24. **फिरोजाबाद** : पण्डित पीयूष कुमार शास्त्री, जयपुर, 25. **दादर-मुम्बई** : पण्डित अनिलकुमार शास्त्री, भिण्ड, 26. **शिवपुरी** : ब्र. कैलाशचन्द्रजी अचल, 27. **गजपंथा** : डॉ. दीपक जैन, जयपुर।

विदेश : 1. **टोरंटो** : डॉ. उत्तमचन्दजी जैन, सिवनी, 2. **नैरोबी केन्या** : पण्डित ज्ञायक शास्त्री, मुम्बई, 3. **शिकागो** : पण्डित संजीवकुमारजी गोधा, जयपुर।

मध्यप्रदेश प्रान्त : 1. **अशोकनगर** : पण्डित चेतनभाई, राजकोट, 2-3. **जबलपुर** : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री, दिल्ली, पं. बाबूभाई मेहता, फतेपुर, 4. **इन्दौर (साधनानगर)** : पण्डितदेवेन्द्रकुमारजी बिजौलिया, 5. **भोपाल (कोहेफिजा)** : पण्डित सुनीलकुमारजी इंजी. सागर, 6. **बीना** : पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील, जयपुर, 7. **रतलाम (आदिनाथ चैत्यालय)** : पण्डित रीतेशजी शास्त्री, सनावद, 8. **इन्दौर (शक्कर बाजार)** : पण्डित सुरेशचन्दजी, टीकमगढ़ 9.**विदिशा (किला अन्दर)** : पण्डित प्रतीकजी शास्त्री जबलपुर, 10. **बड़नगर** : पण्डित संजयजी पुजारी, खनियाँधाना, 11. **इन्दौर (पलासिया)** : पण्डित धनसिंहजी ज्ञायक, पिड़ावा, 12. **उज्जैन** : पण्डित मनोजकुमारजी, जबलपुर, 13. **गुना (वीतराग-विज्ञान)** : पण्डित अरुणकुमारजी मोदी, सागर, 14. **भोपाल (चौक)** : ब्र. सुनीलजी शास्त्री, शिवपुरी, 15. **भिण्ड (परमागम मन्दिर)** : पण्डित चेतन शास्त्री, कोटा, 16. **बदरवास** : पण्डित राजेशकुमारजी जैन, जबलपुर, 17-18. **ग्वालियर (फालका बाजार)** : पण्डित विमलचन्दजी झांझरी, ब्र. समता झांझरी उज्जैन, 19. **गढ़ाकोटा** : पण्डित नागेशजी, पिड़ावा 20. **सागर (महावीर जिनालय)** : पण्डित प्रकाशचन्दजी झांझरी उज्जैन, 21. **कोलारस (चौधरी मोहल्ला)** : पण्डित महेशचन्दजी, ग्वालियर, 22. **ग्वालियर (सोडा का कुआँ)** : पण्डित शिखरचन्दजी, विदिशा, 23. **बेगमगंज** : पण्डित मुरारीलालजी, नरवर, 24. **खुरई** : पण्डित नरेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, 25. **होशंगाबाद** : पण्डित आकेशजी, छिन्दवाड़ा, 26. **खनियांधाना** ब्र. कल्पनाबेन, जयपुर 27. **जावरा** : पण्डित प्रमोदजी मकरोनिया, सागर, 28. **बण्डा** : पण्डित संभव शास्त्री, नैनधरा, 29. **इन्दौर (ओम विहार)** : पण्डित मनीष शास्त्री, खतौली, 30. **अम्बाह** : पण्डित अंकित शास्त्री, छिन्दवाड़ा, 31. **भोपाल (कस्तूरबानगर)** : डॉ. महेशचन्दजी शास्त्री, गुढ़ा, 32. **करेरा** : पण्डित विराग शास्त्री, बांसवाड़ा, जयपुर, 32. **मौ** : पण्डित निखिल शास्त्री, मेरठ, 33. **शहडोल** : पण्डित ब्र. चन्द्रकुमारजी, शिवपुरी, 33. **छिन्दवाड़ा** : पण्डित प्रद्युम्नकुमारजी, मुजफ्फनगर, 34. **शाहगढ़** : पण्डित निर्मलकुमारजी एडवोकेट, 35. **सागर (तारण-तरण)** : पण्डित श्री तेजकुमारजी गंगवाल, इन्दौर, 36. **शिवपुरी (शान्तिनाथ मन्दिर)** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, हीरापुर, जयपुर, 37. **शिवपुरी (परमागम मन्दिर)** : पण्डित कैलाशचन्दजी अचल, ललितपुर, 38. **इन्दौर (गांधीनगर)** : पण्डित कस्तूरचन्दजी बजाज, भोपाल, 39. **मन्दसौर (गोल चौराहा)** : पण्डित नेमीचन्दजी, ग्वालियर, 39. **मगरौन** : पण्डित अर्पित शास्त्री, बांसवाड़ा, 40. **गंजबसौदा (तारण-तरण)** : विदुषी ब्र. सुधाबेन, छिन्दवाड़ा, 41. **बनखेड़ी** : पण्डित शुभम् शास्त्री, उभेगाँव, 42. **शुजालपुर मण्डी** : पण्डित सिद्धार्थजी दोशी, मुम्बई, 43. **शहापुर (बुरहानपुर)** : विदुषी श्रीमती लता रोम, अकोला, 44. **गौरझामर** : ब्र. धरणेन्द्रजी, दिल्ली, 45. **सनावद (स्वाध्याय भवन)** : पण्डित शीतल शेट्टी, अ. लाट 46. **नरवर** : पण्डित नीलेश शास्त्री, बांसवाड़ा, 47. **रांझी (जबलपुर)** : पण्डित दिलीपजी बाकलीवाल, इन्दौर 48. **कुचड़ौद** : पण्डित विक्रांत मोदी, शास्त्री, भगवां, 49. **आरोन** : पण्डित श्री अशोकजी जैन, उज्जैन, 50. **निसईजी (मल्हारगढ़)** : ब्र. केशरीचन्दजी धवल, छिन्दवाड़ा, 51. **मकरोनिया (सागर)** : पण्डित नन्दकिशोरजी गोयल, विदिशा, 52. **शहपुरा भिटोनी** : पण्डित अंकित शास्त्री, धार, 53. **सिवनी** : विदुषी पुष्पाजी, खंडवा, इन्दौर, 54.**महिदपुर** : पण्डित संजय साव शास्त्री, खनियांधाना, 55. **कोलारस (आदिनाथ)** : पण्डित प्रशांत शास्त्री, अमरमऊ, जयपुर, 56. **धर्मपुरी** : पण्डित धर्मेन्द्रजी सिंहल, ग्वालियर, 56. **अमायन** : पण्डित सचिन शास्त्री, सागर, 57. **इन्दौर (विजयनगर)** : पण्डित कमलेशजी शास्त्री, मौ., 58. **दलपतपुर** पण्डित सुदीपजी शास्त्री, बरगी, 59. **रहली** : पण्डित प्रतिंकर शास्त्री, ललितपुर (जयपुर), 60. **ग्वालियर (थाठीपुर)** : पण्डित फूलचन्दजी, हिंगोली, 61. **विदिशा (अरिहंतविहार)** : पण्डित अंकुर शास्त्री, देहगाँव, 62. **कटनी** : पण्डित कमलचन्दजी, पिड़ावा, 63. **फोपनार** : पण्डित भूपेन्द्र जैन, मंगलायतन, 64. **राधौगढ** : पण्डित सुनीलजी जैन, देवरी, 65. **पंधाना** : पण्डित सूरज शास्त्री, कुचामन सिटी, 66. **पथरिया** : पण्डित पदमकुमारजी, कोटा, 67. **निसईजी (मल्हारगढ़)** : पण्डित रतनलालजी, होशंगाबाद, 68. **निसईजी (मल्हागढ़)** : पण्डित राजकुमारजी सर्राफ, सागर, 69. **निसईजी** : विदुषी पुष्पाबेन, होशंगाबाद, 70. **निसईजी** : पण्डित बाहुबली शास्त्री, जयपुर, 71. **अथाईखेड़ा (अशोकनगर)** : पण्डित राहुल शास्त्री, जयपुर, 72. **इन्दौर (रामचन्द्र नगर)** : पण्डित गौरव शास्त्री, चन्देरी, 73. **करेली** : पण्डित ऋषभचन्द जैन, मंगलायतन, 74. **बिजुरी** : विदुषी नयना शास्त्री, भोपाल, 74. **घुवारा** : पण्डित राकेशजी शास्त्री, लिधौरा, 75. **ग्वालियर (फाल्के बाजार)** : पण्डित अंकित शास्त्री, लूणदा, 76. **इन्दौर (कालानी नगर)** : पण्डित पदमचन्दजी गंगवाल, इन्दौर, 77. **गंधवानी (धार)** : पण्डित अक्षय शास्त्री, बाँसवाड़ा, 78. **विजयपुर (गुना)** : पण्डित विमलचन्दजी, जलेसर, 79. **अमलाई** : पण्डित समर्पण शास्त्री, भिण्ड, जयपुर, 80. **द्रोणगिरी** : पण्डित रमेशचन्दजी लवाणवाले, जयपुर, 81. **सागर (बालकव्यू)** : पण्डित सन्मति शास्त्री, सागर, 82. **जावर** : पण्डित पंकजजी शास्त्री, खडेरी, 83. **विदिशा (स्टेशन मन्दिर)** : पण्डित ब्र. अमित भैया, 84. **सनावद (समवशरण मन्दिर)** : पण्डित विवेकजी शास्त्री, पिड़ावा, 85. **सागर (तारण-तरण)** : पण्डित अक्षय शास्त्री, छिन्दवाड़ा, जयपुर, 85. **बदरवास** : पण्डित अभयकुमारजी जैन, 86. **दलपतपुर** :

पण्डित निखलेश शास्त्री, 87. **खिरकिया जि. हरदा** : पण्डित हुकमचन्दजी राघौगढ़ 88. **सुसनेर** : पण्डित अचल शास्त्री, खनियांधाना, 89. **भानगढ़ (बीना)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, कोलारस, जयपुर, 90. **गंजबसौदा (त्रिमूर्ति मंदिर)** : पण्डित अभयजी शास्त्री, सुनवाहा, जयपुर, 91. **इटारसी (तारण-तरण)** : पण्डित सुधीर सहयोगी, सागर, 92. **गौरझामर** : पण्डित विनय शास्त्री, दिल्ली, 93. **पचमढ़ी** : पण्डित प्रतीक शास्त्री, जयपुर, 94. **इन्दौर (रामचन्द्र नगर)** : विदुषी अनुभूति शास्त्री, जयपुर, 95. **शहपुरा भिटौनी** : पण्डित देवेन्द्रकुमारजी शास्त्री, जयपुर, **सागर (मकरोनिया बालकक्षा हेतु)** : पण्डित ऋषभ जैन, बाँसवाड़ा, 96. **बरायठा** : पण्डित निलय शास्त्री, जयपुर, 97. **मन्दसौर (कालाखेत)** : पण्डित अनिलजी इंजी., इन्दौर, 98. **मौ (विधान हेतु)** : पण्डित अभयजी शास्त्री, ग्वालियर, 99. **राघौगढ़** : पण्डित गौरवजी शास्त्री, भिण्ड, 100. **इन्दौर (गांधीनगर)** : पण्डित गौरवजी शास्त्री, बांसवाड़ा, 101. **नई सराय (अशोकनगर)** : पण्डित सतेन्द्रजी शास्त्री, बरायठा, 102. **धार** : पण्डित प्रमोदजी शास्त्री, जौलाना, 103. **राघौगढ़** : पण्डित अशोकजी शास्त्री, कारंजा, 104. **द्रोणगिरी** : पण्डित महेन्द्रजी शास्त्री, खनियांधाना, 105. **द्रोणगिरी** : पण्डित कैलाशचन्दजी, महरोली, 106. **करेली** : पण्डित प्रवेश भारिल्ल, 107. **लुकवासा** : पण्डित देवेन्द्रजी शास्त्री, अकाझिरी, 108. **सिंगोली** : पण्डित राजेशजी शास्त्री, 109. **इन्दौर (लश्करी बाजार)** : पण्डित वीरेन्द्रजी शास्त्री, बरा।

महाराष्ट्र प्रान्त : 1. **मुम्बई (सीमंधर जिनालय)** : पण्डित संजय शास्त्री, अलीगढ़, 2. **मुम्बई (दादर मंदिर)** : पण्डित शैलेषभाई तलौद, 3. **मुम्बई (दादर मंडल)** : पण्डित अनिलजी शास्त्री, भिण्ड, 4. **मुम्बई (बोरीवली)** : पण्डित विपिनजी शास्त्री, मुम्बई, 5. **मुम्बई (घाटकोपर)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, शहपुरा, 6. **मुम्बई (भायंदर) वेस्ट** : पण्डित श्रेणिकजी, जबलपुर, 7. **मुम्बई (मलाड)** : पण्डित राकेशजी शास्त्री, नागपुर, 8. **मुम्बई (दहीसर)** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, गजपंथा, 9. **नागपुर (इतवारी)** : ब्र. हेमचन्दजी 'हेम', देवलाली, 10. **गजपंथा** : डॉ. दीपकजी शास्त्री, जयपुर, 11. **पुणे (स्वा. मंडल)** : डॉ. कपूरचन्दजी कौशल, भोपाल, 12. **पुणे (सांगवी)** : पण्डित नन्दकिशोरजी मांगूलकर, काटोल, 13. **जलगांव** : पण्डित शीतलजी पाण्डे, उज्जैन, 14. **हिंगाली** : पण्डित विराग शास्त्री, जबलपुर, 15. **मलकापुर** : पण्डित सुबोधजी सिंघई, सिवनी, 16. **वाशिम (जवाहर कालोनी)** : पण्डित चितरंजनजी, छिन्दवाड़ा, 17. **कारंजा (लाड)** : पण्डित आशीष शास्त्री, कोटा, 18. **सेनगाँव** : पण्डित अंकुर शास्त्री, मडदेवरा, 19. **मुम्बई (एवरशाईनगर)** : पण्डित मनीषजी शास्त्री, इन्दौर, 20. **देवलाली** : पण्डित जयकुमारजी जैन, बारा, 21. **जयसिंगपुर** : पण्डित विजयसेन शास्त्री, आलते, 22. **चिखली** : पण्डित अक्षय चव्हाण, ध्रुवधाम, 23. **अकलूज** : पण्डित शुभम् शास्त्री, जयपुर, 24. **औरंगाबाद** : पण्डित ब्र. यशपालजी जैन, जयपुर, 25. **पुणे (चिंचवड़)** : पण्डित संजयजी सेठी, जयपुर, 25. **वरूड** : पण्डित रोहन घाटे शास्त्री, जयपुर, 26. **डासाला** : पण्डित शीतलजी शास्त्री, कोल्हापुर, 27. **रिसोड** : पण्डित स्वप्निल लंबू, बांसवाड़ा, 28. **अक्कलकोट** : पण्डित संकेत बोरालकर शास्त्री, जयपुर, 29. **फालेगाँव** : पण्डित रत्नेश जैन, बांसवाड़ा, 30. **बेलोरा** : पण्डित रोहित सिदनाले, बांसवाड़ा, **औरंगाबाद** (छात्र विद्वान) : पण्डित अमोल महाजन, जयपुर, 31. **नातेपुते** : पण्डित शीतल दोशी, सोलापुर, 32. **विहीगाँव** : पण्डित वीतराग बसवाड़े, जयपुर, 33. **गजपंथा (विधान हेतु)** : पण्डित अनिलजी शास्त्री 'धवल' भोपाल, 34. **देऊलगाँवराजा** : पण्डित विनीत शास्त्री, आगरा, 35. **देवलाली (विधान हेतु)** : पण्डित दीपकजी धवल, भोपाल, 36. **अकोला** : पण्डित ऋषभजी शास्त्री, अहमदाबाद, 37. **मुम्बई (अंधेरी)** : पण्डित धर्मेन्द्रकुमारजी शास्त्री, कोटा, 38. **बाहुबली (कुंभोज)** : डॉ. नेमीनाथ शास्त्री, दानोली, 40. **सांगली** : पण्डित शाकुल शास्त्री, मेरठ, 41. **वाशी (नवी मुम्बई)** : ब्र. नन्हे भैया, सागर, 41. **कल्याण (मुम्बई)** : पण्डित अंकित जैन, इन्दौर, 42. **पुणे** : पण्डित जितेन्द्र राठी, नागपुर, 43. **गजपंथा (मराठी विद्वान)** : पण्डित गणेशजी शास्त्री, जयपुर, 44. **चोपड़ा** : पण्डित अभिषेक मंगलार्थी, उभेगाँव, 45. **मुम्बई (कांदीबली)** : पण्डित अंकित सरल, खनियांधाना, 46. **मुम्बई (मलाड)** : पण्डित अभिनय शास्त्री, जबलपुर, 47. **काटोल** : पण्डित अध्यात्म शास्त्री, नरवर, 48. **वडोत तांगडा** : पण्डित बाहुबली चौगुले, बाँसवाड़ा, 49. **सावदा** : पण्डित जयेश रोकड़े, 50. **हेरले** : पण्डित अनिलजी आलमान शास्त्री, 51. **कोल्हापुर** : पण्डित जिनचन्द्रजी शास्त्री, हेरले, 52. **इचलकरंजी** : पण्डित दीपकजी अथणे, ढवली, 53. **कोल्हापुर (उचगांव)** : पण्डित महेशजी पाटील, हेरले, 54. **पुणे** : पण्डित सनतजी शास्त्री, रुडकी, 55. **जत** : पण्डित उमेशजी घोसरवाडे, जयसिंगपुर, 56. **जयसिंगपुर** : पण्डित संतोषजी मिणचे, बोरगांव, 57. **सातारा** : पण्डित मिलिंदजी शास्त्री, कबनूर, 58. **कोरेगांव** : पण्डित दीपकजी शास्त्री, आलते, 59. **हिंगोली (आदिनाथ मंदिर)** : पण्डित अमोलजी शास्त्री, कातनेश्वर, 60. **हिंगोली** : पण्डित पंकजजी सिंघई, 61. **बसमतनगर** : पण्डित संदेशजी शास्त्री, कलमनुरी।

राजस्थान प्रान्त : 1. **कोटा** : पण्डित बाबू जुगल किशोरजी 'युगल', 2. **कोटा (रामपुरा)** : पण्डित अनुभवजी शास्त्री, 3. **कोटा (इन्द्र विहार)** : डॉ. महावीर शास्त्री, (टोकर) उदयपुर, 4. **अलवर (मु. मंडल)** : पण्डित विक्रांत शहा, शोलापुर, 5. **पिडावा** : पण्डित मनोजकुमारजी शास्त्री, करेली, 6. **अजमेर (वी.विज्ञान भवन)** : पण्डित सुदीपजी जैन, बीना, 7. **उदयपुर (सेक्टर-11)** : पण्डित सुरेन्द्रकुमारजी जैन, उज्जैन, 8. **उदयपुर (नेमीनगर)** : पण्डित अभिलाष शास्त्री, कोटा, 9. **उदयपुर (गायरीयावास)** : डॉ. नेमचन्द शास्त्री, खतौली, 10. **बून्दी (मुमुक्षु मण्डल)** : पण्डित राजीवजी शास्त्री, थानागाजी, 11. **भीलवाड़ा** : पण्डित सुनील शास्त्री, प्रतापगढ़, 12. **कानोड** : पण्डित सन्दीप शास्त्री, शहपुरा, 13. **किशनगढ़** : पण्डित सुमतिनाथ शास्त्री, जयपुर, 14. **सेमारी** : पण्डित शुद्धात्म खरेह (कोटा), 15. **कुरावड़** : पण्डित पवनकुमारजी शास्त्री, जयपुर, 16. **प्रतापगढ़ (मुमुक्षु मंडल)** : पण्डित सुनीलजी शास्त्री, निम्बाहेड़ा, 17. **कुशलगढ़ (तेरापंथी)** : पण्डित जीवेशकुमारजी शास्त्री, पिड़ावा, 18. **बिजौलिया** : पण्डित पदमकुमारजी अजमेरा, इन्दौर, 19. **पीसांगन** : पण्डित रूपेन्द्रजी शास्त्री, जयपुर, 20. **देवली (आदिनाथ)** : पण्डित सौरभ शास्त्री, खनियांधाना, जयपुर, 21. **देवली (चन्द्रप्रभ)** : पण्डित विनीत शास्त्री, पोहरी, जयपुर, 22. **टोकर** : ब्र. रविजी, ललितपुर, 23. **साकरोदा** : पण्डित शुभम् मोदी, जयपुर, 24. **लाम्बाखोह** : पण्डित सौरभ जैन, सागर, 25. **जयथल** : पण्डित विरेन्द्रजी शास्त्री, आमेर, 26. **लकड़वास** : पण्डित हेमचन्द जैन, शाहगढ़, जयपुर, 27. **बोहेडा** : पण्डित रत्नेश जैन, बांसवाड़ा, 28. **झालरापाटन** : पण्डित शान्तिलालजी सोगानी, महिदपुर, 29. **अजमेर (वैशालीनगर)** : पण्डित अश्विन शास्त्री, नौगामा, 30. **अजमेर (विधान हेतु)** : पण्डित ऋषभ जैन, मौ, 31. **चित्तौड़गढ़ (कुम्भानगर)** : पण्डित धर्मचन्दजी, जयथल, 32. **वल्लभनगर** : पण्डित विकासजी शास्त्री, बडामलहरा, 33. **डबोक** : पण्डित योगेशजी शास्त्री देवरी, 34. **अलवर (विधान)** : पण्डित निखिल शास्त्री, बांसवाड़ा, 35. **बेगू** : पण्डित आशु शास्त्री, झालरापाटन, 36. **पीसांगन (विधान हेतु)** : पण्डित अनुभव शास्त्री, जयपुर, 37. **कोटा**

(मुमुक्षु आश्रम) : पण्डित सौरभ शास्त्री, गढ़ाकोटा, 38. **केलवाड़ा** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, केलवाड़ा, 39. **झालावाड़** : पण्डित शुभम् जैन, सागर, 40. **बांसवाड़ा** : पण्डित प्रवीणजी शास्त्री, रायपुर, 41. **छापड़ा** : पण्डित माणकचन्दजी शास्त्री, बेरी, 42. **पारसोली** : पण्डित चिन्मय शास्त्री, पिड़ावा, 43. **बारा** : पण्डित सतीशजी, पिपरई, 44. **अलीगढ़** : पण्डित सतेन्द्र जैन, बरायठा, 45. **भीलवाड़ा** : पण्डित अरविन्द शास्त्री, बंडा, 46. **कोटा (छावनी)** : पण्डित शनि शास्त्री, खनियांधाना, 47. **कोटा (छावनी)** : पण्डित प्रेमचन्दजी बजाज, कोटा, 48. **उदयपुर (सेक्टर-14)** : पण्डित खेमचन्द शास्त्री, गुढ़ाकोटा, 49. **गढ़ी** : पण्डित मंयक शास्त्री, बांसवाड़ा, 50. **निवाई** : पण्डित शिखरचन्दजी शास्त्री, सागर, 51. **चाकसू** : पण्डित विजयजी शास्त्री, 52. **अलवर** : पण्डित अजितकुमारजी शास्त्री, फुटेरा, 53. **अलवर** : पण्डित प्रेमचन्दजी शास्त्री, भौंती, 54-55. **भिण्डर** : पण्डित कृष्णचन्द शास्त्री, भिण्ड एवं पण्डित गजेन्द्र शास्त्री।

उत्तरप्रदेश प्रान्त : 1. **फिरोजाबाद** : पण्डित पीयूषजी शास्त्री, जयपुर, 2. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** : पण्डित सचिनजी जैन, खनियांधाना, 3. **मैनपुरी** : पण्डित जगदीशजी, उज्जैन, 4. **खतौली (चन्द्रप्रभ जिनालय)** : पण्डित लालारामजी साहू, अशोकनगर, 5-6. **ललितपुर** : ब्र. पुष्पाबेन एवं ज्ञानधारा झांझरी, उज्जैन, 7. **कुरावली** : पण्डित सुमित शास्त्री, खरेह, 8. **मेरठ (तीरगरान)** : पण्डित राहुल जैन, रानीपुर, 9. **बांधा** : पण्डित अनुभव शास्त्री, सिलवानी, 10. **भौगाँव** : पण्डित जिनेश सेठ, जयपुर, 11. **जैतपुरकला** : पण्डित अमित शास्त्री, बांसवाड़ा, 12. **कानपुर (किदवईनगर)** : पण्डित विकास शास्त्री, मौ., 13. **शिकोहाबाद** : पण्डित धवल शास्त्री, डडूका, 14. **धामपुर** : पण्डित प्रदीपजी शास्त्री, खतौली, 15. **कायमगंज** : पण्डित मयंक शास्त्री, टीकमगढ़, 16. **करहल** : ब्र. सुकमाल झांझरी, उज्जैन, 17-18. **केराना** : पण्डित राहुल जैन, बंडा, पण्डित विकास जैन, दलपतपुर, 19. **गंगेरू** : पण्डित विवेक जैन, बांसवाड़ा, 20. **सहारनपुर** : पण्डित गुलाबचन्दजी जैन, बीना, 21. **एतमादपुर** : पण्डित बांकेबिहारीजी, 22. **एटा** : पण्डित प्रकाशचन्दजी ज्योतिर्विद, मैनपुरी, 23. **रुडकी** : पण्डित निशांत शास्त्री, बांसवाड़ा, 24. **रानीपुर (झांसी)** : पण्डित महेन्द्र शास्त्री, भिण्ड, 25. **कानपुर (मुमुक्षु मण्डल)** : पण्डित विपिनजी जैन, मंगलायतन, 26. **खतौली (पद्मप्रभ)** : पण्डित शुभम्, झालरापाटन, 27. **छपरौली** : पण्डित अभिनयजी, कोटा, 28. **सकीट** : पण्डित ऋषभ जैन, बांसवाड़ा, 29. **चिलकाना** : पण्डित पारस अग्रवाल, बांसवाड़ा, 30. **कानपुर (छात्र)** : पण्डित संचित शास्त्री, ग्वालियर, 31. **सहारनपुर (छात्र)** : पण्डित मनीष शास्त्री, भिण्ड, 32-33. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** : पण्डित अशोकजी लुहाड़िया, बिजौलिया एवं आशीष शास्त्री, दूणी, 34-35. **आगरा** : पण्डित गणतंत्र शास्त्री एवं निलय शास्त्री, टीकमगढ़, 36-37-38. **खतौली** : पण्डित कल्पेन्द्रजी, पण्डित रमेशचन्दजी, पण्डित अशोकजी।

गुजरात प्रान्त : 1. **अहमदाबाद (वस्त्रापुर)** : पण्डित राजेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, 2. **अहमदाबाद (नवरंगपुरा)** : पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी, आगरा, 3. **अहमदाबाद (मणीनगर)** : पण्डित ज्ञाता झांझरी, सूरत, 4. **अहमदाबाद (पालडी)** : पण्डित अभिषेक शास्त्री, सिलवानी, 5. **अहमदाबाद (ओढव)** : पण्डित गौरव शास्त्री, बांसवाड़ा, 6. **अहमदाबाद (मेघाणीनगर)** पण्डित रीतेश शास्त्री, डडूका, 7. **अहमदाबाद (आशीषनगर)** : पण्डित रतनचन्दजी शास्त्री, कोटा, 8. **हिम्मतनगर** : पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री, खैरागढ़, 9. **राजकोट** : पण्डित नीलेशभाई, मुम्बई, 10. **दाहोद** : पण्डित रमेशजी 'मंगल', सागर, 11. **रखियाल** : पण्डित निखिल जैन,

भायंदर, 12. **बड़ौदा** : ब्र. अभिनन्दनजी शास्त्री, देवलाली, 12. **तलोद** : पण्डित राहुल शास्त्री, मुम्बई, 13. **मोरबी** : पण्डित समकित शास्त्री, गुना, 14. **अहमदाबाद (अमराईवाडी)** : पण्डित स्वानुभव शास्त्री, गुना, 16. **अहमदाबाद (पार्श्वनाथ चैत्यालय)** : पण्डित संजय शाह शास्त्री, परतापुर, 17. **अहमदाबाद नरौडा** : पण्डित सुदीपजी शास्त्री, अमरमऊ, 18. **जहेर** : पण्डित आशीषजी शास्त्री, मडावरा, 19. **नवसारी** : पण्डित अच्युतकान्तजी शास्त्री, जयपुर, 20. **सुरेन्द्रनगर** : पण्डित सुधीरजी शास्त्री, मंगलायतन, 21. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम)** : पण्डित सचिनजी शास्त्री, गढ़ी, 22. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम)** : पण्डित जयेशजी शास्त्री, जयपुर, 23. **अहमदाबाद (चैतन्यधाम)** : पण्डित चेतनजी शास्त्री, गोरमी, 24-25-26. **अहमदाबाद** : पण्डित सोनूजी शास्त्री, पोरमा, पण्डित उदयमणिजी शास्त्री, भिण्ड, पण्डित रीतेशजी शास्त्री, आशीषनगर, 27-28. **दाहोद** : पण्डित राकेशजी दोशी, परतापुर एवं पण्डित वीरेन्द्रजी शाह, डडूका, 29-30-31. **सोनगढ़ (विद्यालय)** : पण्डित मेहुलजी शास्त्री, कोलकात्ता, पण्डित अनेकान्तजी शास्त्री, बांसवाड़ा एवं पण्डित आत्मन्जी शास्त्री।

अन्य प्रान्त : 1. **कोलकाता** : पण्डित रजनीभाई दोशी, हिम्मतनगर, 2. **बेलगाँव** : ब्र. सुमतप्रकाशजी, खनियांधाना, 3. **बैंगलौर** : डॉ. विवेक जैन, सिवनी, 4. **रानीपुर (हरिद्वार)** : पण्डित कैलाशचन्दजी शास्त्री, बीकानेर, 5. **लुधियाना** : पण्डित अंचल शास्त्री, ललितपुर, 6. **रामगढ़ केन्ट** : पण्डित अचल शास्त्री, ललितपुर, 7. **एरनाकुल्लम (केरल)** : पण्डित तपिश शास्त्री, उदयपुर, 8. **यमुनानगर (हरियाणा)** : पण्डित दिनेशजी कासलीवाल, उज्जैन, 9. **बागेवाड़ी (नगर)** : पण्डित अमित शास्त्री, धर्मन्नावर, 10. **देहरादून (विकासनगर)** : पण्डित शशांकजी, सागर, 11. **गुड़गांव (फेस द्वितीय)** : पण्डित मनोजकुमारजी, मुजफ्फरनगर, 12. **सम्मेदशिखर (कुन्दकुन्दनगर)** : पण्डित रमेशचन्दजी शास्त्री, जयपुर, 13-14. **खडगपुर** : पण्डित जिनकुमारजी शास्त्री, पण्डित श्री सौरभजी शास्त्री, जयपुर, 15. **कोथली** : पण्डित सुरेन्द्रजी पाटील, माणकापुर, 16. **माणकापुर** : पण्डित चेतनजी चौगुले, 17. **स्तवनिधि** : पण्डित आलाप्पन्ना हादीमणी, 18. **उगार** : पण्डित राजूजी सांगावे, 19. **गुडगांव (से.-43)** : पण्डित शुभम्जी शास्त्री, बिनौली, 20. **कोलकात्ता** : पण्डित अमितकुमारजी शास्त्री, फुटेरा।

वीतराग-विज्ञान (सितम्बर-मासिक) ● 26 अगस्त 2013 ● वर्ष 32 ● अंक 2